सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

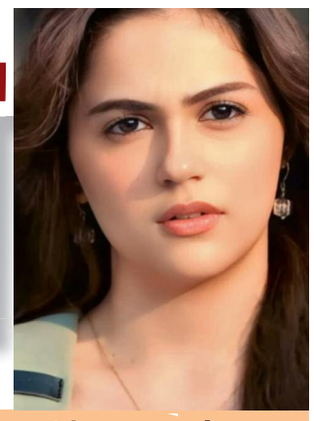

स्मृति मंधाना शीर्ष पर बरकरार, दीप्ति 10 स्थान के सुधार के साथ 23वें पायदान पर.... -पेज: 7

कौन हैं सैयारा फेम अनीत पड्डा? काजोल के साथ भी कर चुकी हैं काम.... -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 104 | बुधवार 23 जुलाई 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

पहले डॉक्टरों की सलाह, अब दिया पद से इस्तीफा, जानिए पिछले दिनों में कितनी बार बीमार पड़े जगदीप धनखड़

नई दिल्ली (एजेंसी): सोमवार से संसद का मानसून सत्र शुरू हुआ। सत्र के पहले दिन संसद के दोनों सदनों में जोरदार हंगामा देखने को मिला। इस बीच सोमवार शाम जगदीप धनखड़ ने अपने पद से त्यागपत्र दे दिया। जैसे ही ये खबर सामने आई सभी ने हैरानी जताई। जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने की बात कही। बता दें कि राज्यसभा के सभापति पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे। पिछले कुछ दिनों में उनका स्वास्थ्य कई बार खराब हुआ, जिसके कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। कब-कब बीमार हुए जगदीप धनखड़ सबसे खास बात है कि पिछले काफी समय से अस्वस्थ चलते हुए भी जगदीप धनखड़ राज्यसभा में जीवंत और ऊजार्वान दिखाई दिए, जहां उन्होंने सभापति के रूप में अध्यक्षता की थी। इससे पहले मार्च में कुछ दिनों के लिए जगदीप धनखड़ को एम्स में भर्ती कराया गया था। जिसके बाद चिकित्सकों की ओर से उन्हें

जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया। राज्यसभा के सभापति पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे और उन्हें कई बार अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

कुछ समय के लिए राष्ट्रीय राजधानी से बाहर अपनी यात्राओं को कम करने की सलाह दी गई थी। इसके कुछ समय बाद जून में ही उत्तराखंड के नैनीताल की यात्रा के दौरान जगदीप धनखड़ कुमाऊं विश्वविद्यालय में बेहोश हो गए थे। इस बीच अधिकारियों ने बताया था कि दिन असामान्य रूप से गर्म था और जिस हॉल में वह एक सभा को संबोधित कर रहे थे, वह घुटन भरा था। इस स्थिति में वहां पर मौजूद अन्य अधिकारियों और चिकित्सकों ने धनखड़ को संभाला। जुलाई में भी बीमार हुए थे धनखड़ वहीं, इसी महीने की शुरूआत के दौरान केरल की यात्रा के दौरान भी पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बीमार पड़े। केरल की यात्रा की दौरान पूर्व उपराष्ट्रपति को उनकी पत्नी सुदेश और एक सहयोगी ने गोद में उठाकर चलते हुए देखा था। वहीं, गत 17 जुलाई को भी दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना द्वारा विकसित वाटिका में जाने पर धनखड़ की तबीयत खराब हो गई। स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए धनखड़ ने दिया त्यागपत्र गौरतलब हैकि सोमवार को शाम को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को लिखे पत्र में जगदीप धनखड़ ने कहा कि वह स्वास्थ्य सेवा को प्राथमिकता देने के लिए तत्काल प्रभाव से पद छोड़ रहे हैं। अपने पत्र में उन्होंने लिखा कि स्वास्थ्य सेवा को प्राथमिकता देने और चिकित्सीय सलाह का पालन करने के लिए, मैं संविधान के अनुच्छेद 67(ए) के अनुसार, तत्काल प्रभाव से भारत के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देता हूं। राष्ट्रपति ने किया धनखड़ का इस्तीफा मंजूर बता दें मंगलवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा राष्ट्रपति मुर्मु ने स्वीकार कर लिया। संसद के उच्च सदन में अध्यक्ष पद पर आसीन भाजपा सांसद घनश्याम तिवारी ने इस बात की घोषणा की। संसद के उच्च सदन में अध्यक्ष पद पर आसीन भाजपा सांसद घनश्याम तिवारी ने कहा कि गृह मंत्रालय ने अपनी अधिसूचना के माध्यम से संविधान की धारा 67ए के तहत उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे की सूचना तत्काल प्रभाव से दे दी है।

इतनी मेहनत करतें है पर थकते क्यों नहीं? शरद पवार ने बांधे फडणवीस के तारीफों के पुल

महाराष्ट्र: राजनीतिक विचारधारा से ऊपर उठकर, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के जन्मदिन पर उनकी सराहना की। गौरतलब है कि फडणवीस 22 जुलाई, 2025 को 55 वर्ष के हो जाएँगे। इस अवसर पर, फडणवीस के सार्वजनिक जीवन और उपलब्धियों को सम्मानित करने के लिए महाराष्ट्र नायक नामक एक कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया गया। पवार ने इस पुस्तक में एक लेख भी लिखा है, जिसमें उन्होंने फडणवीस की अथक कार्यशैली और तेज-तर्रार कार्यप्रणाली की प्रशंसा की है। अपने लेख में पवार ने लिखा कि देवेंद्र जिस गति से काम करते हैं, वह अद्भुत है... उनके समर्पण और ऊर्जा को देखकर, मैं अक्सर सोचता हूँ - वे कभी थकते कैसे नहीं? प्रधानमंत्री मोदी ने फडणवीस को दी शुभकामनाएं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी फडणवीस को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं। वह महाराष्ट्र की प्रगति और गरीबों व वंचितों को सशक्त बनाने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं।

गिरिराज सिंह ने बिहार मतदाता सूची संशोधन का किया बचाव, विपक्ष पर लगाया दोहरे मापदंड का आरोप

पटना (एजेंसी): केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बिहार में मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का बचाव किया और संवैधानिक प्रक्रिया पर सवाल उठाने के लिए विपक्ष की कड़ी आलोचना की। इंडिया गठबंधन के नेताओं के आरोपों का जवाब देते हुए, सिंह ने जोर देकर कहा कि मतदाता सूची में संशोधन की प्रक्रिया मौजूदा सरकार के समय से चली आ रही है और विपक्ष पर इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। गिरिराज सिंह ने कहा कि मैं विपक्ष से पूछना चाहता हूँ कि क्या वे संविधान में विश्वास करते हैं? अगर हाँ, तो क्या 2003 में जब मतदाता सूची में संशोधन हुआ था, तब नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री थे? यह एक संवैधानिक प्रक्रिया है। आप संविधान

को कुचलते हैं लेकिन बाबा साहेब का नाम लेते हैं। वे किसी और चीज को लेकर चिंतित हैं; वे रोहिंग्याओं, बांग्लादेशियों और उनके साथ क्या होगा, इसकी चिंता कर रहे हैं। इसलिए वे डरे हुए हैं। भाजपा सांसद राजीव प्रताप रूडी ने कहा कि विपक्ष को संविधान से सख्त नफरत है। संसद और सुप्रीम कोर्ट संवैधानिक संस्थाएँ हैं। वे सुप्रीम कोर्ट गए और जब वहाँ इसे रोक नहीं पाए, तो अब संसद में इसे रोकने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह लोकतांत्रिक मर्यादाओं के विरुद्ध है। मेरा मानना है कि इस समय सभी राजनीतिक दलों को यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए कि उनके जो मतदाता छूट गए हैं, उनके नाम मतदाता सूची में दर्ज हों। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले बिहार में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्ष के विरोध के बीच, मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को लोकसभा और राज्यसभा में भारी व्यवधान का सामना करना पड़ा। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही 23 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा और राज्यसभा बुधवार सुबह 11 बजे फिर से बैठक करेंगे। इससे पहले आज, लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने के कुछ ही मिनट बाद दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। निचले सदन की कार्यवाही विपक्ष के विरोध के बीच दोबारा शुरू होने के तुरंत बाद दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

यह लोकतंत्र की हत्या, बिहार में सर अभ्यास को लेकर भड़कीं प्रियंका गांधी, विरोध प्रदर्शन में हुई शामिल

बिहार (एजेंसी): कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को आगामी विधानसभा चुनावों से पहले बिहार में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ कड़ी आपत्ति जताई और सरकार पर लोकतंत्र की हत्या करने का आरोप लगाया। गांधी ने एएनआई से कहा कि वे लोकतंत्र की हत्या कर रहे हैं। हम इसका विरोध कर रहे हैं और यह गलत है। यह बात ऐसे समय में सामने आई है जब भारतीय जनता पार्टी और उसके नेता चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान के खिलाफ संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। विपक्षी नेताओं का आरोप है कि लोगों के मताधिकार छीने जा रहे हैं। प्रियंका गांधी ने एक्स

पर पोस्ट करके आरोप लगाया कि पहले महाराष्ट्र में मतदाता सूची में हेराफेरी करके चुनावों में "धांधली" की गई थी और अब बिहार में मतदाताओं के नाम हटाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया को "मतदान का अधिकार छीनने की साजिश" करार दिया। विरोध प्रदर्शन में शामिल गांधी ने कहा पहले महाराष्ट्र में मतदाता सूची में हेराफेरी करके चुनावों में धांधली की गई। अब बिहार में भी मतदाताओं के नाम हटाकर ऐसा ही करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि एसआईआर की आड़ में लगाया जा रहा 'मतदान प्रतिबंध' संविधान द्वारा प्रदत्त मतदान के अधिकार को छीनने की साजिश है। हम संविधान को कुचलने की हर कोशिश के खिलाफ मजबूती से खड़े हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव समेत कई नेताओं ने मकर द्वार पर संसद भवन की सीढ़ियों पर खड़े होकर बिहार एसआईआर का विरोध किया और इस प्रक्रिया को रोकने की मांग की। कई नेता इस संशोधन प्रक्रिया की निंदा करते हुए पोस्टर लिए हुए देखे गए, जिन पर इसे "भारतीय अधिकारों की चोरी", "लोकतंत्र की मृत्यु" आदि लिखा था। बिहार एसआईआर का मुद्दा विवादास्पद रहा है और इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने संसद में इस पर चर्चा की मांग की है।

क्या रणदीप सुरजेवाला की हटेगी वाई+ सुरक्षा?, केंद्र ने हाईकोर्ट में दर्ज की अर्जी, ये किया दावा

चंडीगढ़ (एजेंसी): केंद्र सरकार ने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में कांग्रेस के राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला की वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा वापस लेने के लिए केंद्र सरकार ने अर्जी दायर की है। केंद्र सरकार का कहना है कि अब उन्हें किसी खतरे की आशंका नहीं है, इसलिए गृह मंत्रालय ने सुरक्षा कवर हटाने का फैसला लिया है। इस मामले की सुनवाई जस्टिस कुलदीप तिवारी की अदालत में हुई। कोर्ट ने सुरजेवाला को छूट दी है कि वे संबंधित प्राधिकरण के समक्ष उपस्थित होकर अपनी सुरक्षा बनाए रखने के पक्ष में साक्ष्य और दस्तावेज प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके बाद प्राधिकरण इस पर तत्काल निर्णय लेकर कोर्ट को अवगत कराएगा। अगली सुनवाई 30 सितंबर को होगी। केंद्र सरकार की ओर से पेश सीनियर पैनल काउंसिल अरुण गोसाई ने बताया कि

इससे पहले सुरजेवाला ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर CISF सुरक्षा की मांग की थी। हाई कोर्ट ने 10 मार्च 2017 को उस याचिका का निपटारा करते हुए केंद्र सरकार को पूरे देश में सुरजेवाला को वाई प्लस सुरक्षा देने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया था कि भविष्य में यदि सुरक्षा में बदलाव करना हो, तो इसके लिए कोर्ट की अनुमति आवश्यक होगी। अब इन्हीं निदेर्शों के तहत केंद्र सरकार ने कोर्ट में अर्जी दायर कर सुरक्षा वापस लेने की मांग की है। याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि सुरजेवाला को अब भी खतरा बना हुआ है और वे सुरक्षा जारी रखने के लिए जरूरी दस्तावेज प्राधिकरण के समक्ष प्रस्तुत करना चाहते हैं। कोर्ट ने उन्हें चार सप्ताह में ऐसा करने की अनुमति दी है।

अखिलेश यादव पर क्यों बरसे लोकसभा स्पीकर बिरला? दे दी ये नसीहत; वीडियो हो रहा वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी): सोमवार को संसद के मानसून सत्र की शुरूआत जोदार हंगामेदार के साथ हुई। लोकसभा में प्रश्नकाल शुरू होते ही विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया। पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर लोकसभा और राज्यसभा दोनों ही जगह विपक्ष ने सरकार को घेरने की कोशिश की। समाजवादी पार्टी के सांसद जब अपने आसन के पास खड़े होकर हंगामा करने लगे तो ओम बिरला ने सपा सांसद अखिलेश यादव से अपील की कि वे अपने सांसदों को समझाएं। लोकसभा स्पीकर ने कहा कि अखिलेश जी, इनको बिठाइए, यह तरीका ठीक नहीं है। सदन के पहले दिन सदन चले, अच्छी चर्चा हो। सदन नियम और प्रक्रिया से चलता है। राहुल ने उठाया सवाल बता दें कि मानसून सत्र के पहले दिन सदन में बात रखने का मौका नहीं दिए जाने पर अपना क्षोभ जाहिर करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि लोकसभा में नेता विपक्ष के रूप में सदन में बोलना उनका अधिकार है। मगर जहां सरकार

के लोगों तथा मंत्रियों को अपनी बात रखने का मौका दिया जाता है, वहीं नेता विपक्ष के तौर पर उन्हें बोलने नहीं दिया जा रहा है। विपक्ष को बोलने की अनुमति नहीं: राहुल गांधी सदन के बाहर राहुल गांधी ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि सदन में रक्षा मंत्री को बोलने दिया जाता है। संसदीय कार्यमंत्री को बोलने दिया जाता है मगर विपक्ष का कोई नेता कुछ कहना चाहता है तो इसकी अनुमति नहीं है। राहुल गांधी ने कहा कि मैं विपक्ष का नेता हूं, सदन में बोलना मेरा हक है, मगर मुझे तो कभी बोलने ही नहीं देते हैं। यह उनका एक नया तरीका है। बिहार में मतदाता सूची को लेकर विवाद शून्यकाल में विपक्ष जब पहलगाम आतंकी हमले व ऑपरेशन सिंदूर के साथ बिहार में मतदाता सूची के विवादित विशेष पुनरीक्षण का मुद्दा उठा रहा था तब हंगामे के बीच पहले रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और किरेन रिजिजू ने कहा कि विपक्ष जिस विषय पर भी चर्चा चाहता है, अगर उस पर अध्यक्ष अनुमति देता है तो सरकार तैयार है। नेता विपक्ष भी बोलने के लिए अपनी सीट पर खड़े हुए मगर पीठासीन सभापति जगदंबिका पाल ने यह कहते हुए अनुमति नहीं दी कि वे पहले अपने सांसदों को सीट पर जाने के लिए कहें। केसी वेणुगोपाल समेत तमाम कांग्रेस सांसदों के साथ विपक्षी खेमे के अन्य सदस्यों ने भी राहुल गांधी को बोलने देने की मांग का समर्थन किया मगर सदन ऑर्डर में नहीं होने की दलील देते हुए पीठासीन सभापति ने सदन को दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दिया।

चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं ने रचा इतिहास, 39 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने किए दर्शन

उत्तराखंड (एजेंसी): उत्तराखंड में चारधाम यात्रा जारी है। इस बार गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ, बदरीनाथ और हेमकुंड साहिब में भारी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। चारधाम यात्रा में अब तक 39 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने दर्शन किए हैं, जो एक नया रिकॉर्ड है। उत्तराखंड सरकार में पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने इस उपलब्धि के बारे में प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जानकारी दी उत्तराखंड सरकार में पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने इस उपलब्धि के बारे में प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जानकारी दी। उन्होंने कहा, चारधाम यात्रा के लिए गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ धाम और बदरीनाथ धाम के लिए कुल 47 लाख 27 हजार 619 श्रद्धालुओं ने रजिस्ट्रेशन कराए हैं। साथ ही हेमकुंड साहिब के लिए 2 लाख, 16 हजार, 960 श्रद्धालुओं ने ऑनलाइन और ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन कराया है। चारधाम यात्रा के लिए अब तक 49 लाख, 41 हजार, 527 श्रद्धालुओं ने ऑनलाइन और ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन कराए हैं। उत्तराखंड में चल रही चारधाम यात्रा में इस बार रिकॉर्ड संख्या में तीर्थयात्री पहुंच रहे हैं उत्तराखंड में चल रही चारधाम यात्रा में इस बार रिकॉर्ड संख्या में तीर्थयात्री पहुंच रहे हैं। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने

बताया कि अब तक यमुनोत्री धाम में 5 लाख, 73 हजार, 812, गंगोत्री धाम में 6 लाख, 47 हजार, 571,

05 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं। कुल मिलाकर, सभी धामों में 39 लाख, 92 हजार, 903 तीर्थयात्री दर्शन कर चुके हैं। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने हरिद्वार में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बनाए

केदारनाथ धाम में 13 लाख, 91 हजार, 348, बदरीनाथ धाम में 11 लाख, 63 हजार, 867, और हेमकुंड साहिब में 2 लाख, 16 हजार, 305 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं। कुल मिलाकर, सभी धामों में 39 लाख, 92 हजार, 903 तीर्थयात्री दर्शन कर चुके हैं। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने हरिद्वार में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बनाए जाने को लेकर भी जानकारी दी मंत्री सतपाल महाराज ने इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा, इस रिकॉर्ड को लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराने की योजना है, जिससे उत्तराखंड का नाम इतिहास में दर्ज हो।ह्व पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने हरिद्वार में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बनाए जाने को लेकर भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हरिद्वार में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बनने से इसे लंदन और न्यूयॉर्क जैसे शहरों से जोड़ा जा सकेगा। हरिद्वार चार धाम यात्रा का प्रवेश द्वार है और यहां हवाई अड्डा बनने से तीर्थयात्रियों को सुविधा होगी इससे विशेष रूप से भारतीय मूल के लोग अपने पूर्वजों की अस्थियों को गंगा में प्रवाहित करने के लिए आसानी से हरिद्वार पहुंच सकेंगे। मंत्री ने बताया कि हरिद्वार चार धाम यात्रा का प्रवेश द्वार है, और यहां हवाई अड्डा बनने से तीर्थयात्रियों को सुविधा होगी। इसके लिए दो स्थानों को चिन्हित किया गया है, लेकिन अंतिम निर्णय अभी लिया जाना बाकी है।

संपादकीय

प्रभावित होती शिक्षा

वैश्विक रिपोर्ट का अनुमान है कि अत्यधिक गर्मी के कारण बच्चों की स्कूली शिक्षा में डेढ़ साल तक की कमी आ सकती है। हाल के दशकों में हुई शिक्षा उपलब्धियों पर जलवायु परिवर्तन का प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का खतरा है। गर्मी, जंगलों की आग, तूफान, बाढ, सूखा, बीमारियां और समुद्र का बढता स्तर शिक्षा परिणामों को प्रभावित करता है। यूनिस्को की वैश्विक शिक्षा निगरानी टीम, जलवायु संचार व शिक्षा निगरानी एवं मूल्याकंन परियोजना और कनाडाई विविद्यालय द्वारा संकलित रिपोर्ट के अनुसार बीते बीस वर्षो में चरम मौसम की घटनाओं के कारण कम से कम 75% समय स्कूल बंद रहे, जिससे पचास लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए। बता रहे हैं, औसत से दो डिग्री अधिक तापमान का सामना करने वाले बच्चे औसत तापमान वाले बच्चों की तुलना में डेढ़ वर्ष कम शिक्षा प्राप्त कर पाते हैं।

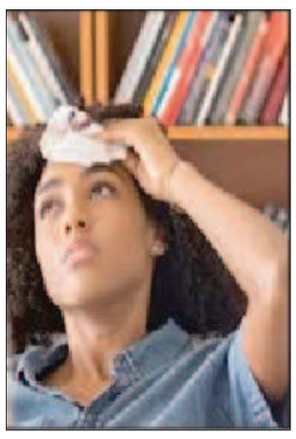

रिपोर्ट में कहा गया है कि 2019 में चरम मौसम की घटनाओं से सबसे ज्यादा प्रभावित दस देशों में से आठ या तो निम्न या निम्नमध्य आय वाले हैं। यूनिसेफ के अनुसार, 2024 में दुनिया भर में कम से कम 24.2 करोड़ छात्रों की शिक्षा चरम मौसम के कारण बाधित हुई। पूर्व में भी विभिन्न अध्ययनों में पाया गया है कि छात्रों पर उस तापमान का गहरा असर होता है, जिसके वे अभ्यस्त नहीं होते। तापमान में आने वाले जबरदस्त परिवर्तन सिर्फ पढाई के समय को ही नहीं प्रभावित करते बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता पर भी असरकारक होते हैं। जलभराव, सड़कों की दुर्दशा व परिवहन संबंधी दिक्कतों के चलते कितने छात्र स्कूल जाने से वंचित रह जाते हैं, इस पर कोई प्रमाणिक अध्ययन नहीं किया जाता। स्कूली शिक्षा व स्वशिक्षा की गुणवत्ता में भारी अंतर होता है। बावजूद इसके मौसमी मार से शिक्षा को बचाने के लिए ऐसे तरीके प्रयोग में लाने की आवश्यकता बढ़ती जा रही है, जिनकी मदद से स्वअध्ययन व इंटरनेट द्वारा पढ़ाई संभव हो सके। भारत में स्थिति और भी इसलिए बिगड़ जाती है क्योंकि यहां ढेरों स्कूलों के पास ढंग का भवन तक नहीं है। बिजली कनेक्शन या पंखों की हालात किसी से छिपी नहीं है। बेशक मौसम के चरम का असर शारीरिक होने के अतिरिक्त मानसिक भी कम नहीं होता। भीषण गरमी में पढ़ाई संभव नहीं होती। बल्कि मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, ध्यान केंद्रित करने, समझ व निर्णय लेने की क्षमता भी प्रभावित होती है। चूंकि यह वैश्विक समस्या है, इसलिए बगैर देरी किए सामूहिक रूप से इससे निपटना होगा।

चिंतन-मनन

अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है ज्ञान

बुद्धि अच्छी चीज है, पर कोरी बौद्धिकता ही सब कुछ नहीं है। इससे व्यक्ति के जीवन में नीरसता और शुष्कता आती है। ज्ञान अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है, इसलिए यह अपने साथ सरसता लाता है। ज्ञानी व्यक्तियों के लिए पुस्तकीय अध्ययन की विशेष अपेक्षा नहीं रहती। भगवान महावीर ने कब पढ़ी थीं पुस्तकेंट आचार्य भिक्षु, संत तुलसी, संत कबीर अदि जितने ज्ञानवान पुरुष हुए हैं, उनमें कोई भी पंडित नहीं थे। अंतर्दर्शन उनकी ज्ञानमयी चेतना की स्फुरणा करता था। इसके आधार पर ही उन्होंने गंभीर तत्वों का विश्लेषण किया। वे यदि पुस्तकों के आधार पर प्रतिबोध देते तो संसार को कोई नया दृष्टिकोण नहीं दे सकते थे।

एक बात और ज्ञातव्य है। विद्वान बहुत पढ़े-लिखे होते हैं, पर वे आज तक भी किसी ज्ञानी को पराजित नहीं कर सके। इंद्रभूति महापंडित थे। उनका पांडित्य विश्रुत था। पर वे भगवान महावीर की ज्ञान चेतना का अनुभव करते ही पराभूत हो गए। इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है। ज्ञान और बुद्धि की परस्पर कोई तुलना नहीं है। बुद्धि कुंड का पानी है और ज्ञान कुएं का पानी है। कुंड का पानी जितना है उतना ही रहता है। वर्षा होती है तो पानी थोड़ा बढ़ जाता है। इसी प्रकार अनुकूल सामग्री और पुरुषार्थ का योग होता है तो बुद्धि बढ़ जाती है। अन्यथा उसके विकास की कोई संभावना नहीं रहती। कुएं से जितना पानी निकाला जाता है, नीचे से और आता रहता है। वह कभी चुकता नहीं है, उसमें नए अनुभव जुड़ते जाते हैं।

बुद्धि आवश्यक है किंतु उसके आधार पर कभी आत्म-दर्शन नहीं हो पाता। आत्म-दर्शन का पथ है ज्ञान। ज्ञान तब तक उपलब्ध नहीं होता जब तक ध्यान का अभ्यास न हो। जिस व्यक्ति को अंतर्दृष्टि का उद्घाटन करना है, ज्ञानी बनना है, उसे प्रेक्षाध्यान साधना का आलंबन स्वीकार करना होगा। ऐसा करके वह ज्ञान की श्रेष्ठता को प्रमाणित कर सकता है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

उपराष्ट्रपति धनखड़ का इस्तीफा एक बड़ा धमाका

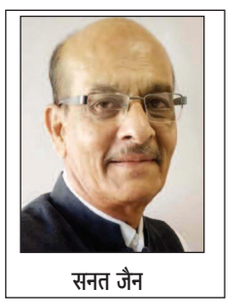

सनत जैन

संसद के मानसून सत्र के पहले ही दिन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपना इस्तीफा राष्ट्रपति को भेज दिया, जिसे स्वीकार कर लिया गया। उनके कार्यकाल को 2 साल बाकी थे। जिस आश्चर्यजनक तरीके से उनका इस्तीफा सामने आया, उसके बाद तरह-तरह की अटकलों का दौर शुरू हो गया है। धनखड़ ने अपना इस्तीफा स्वास्थ्य कारणों से देने की बात कही है। राजनीतिक हल्का में यह बात किसी को पच नहीं रही है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने जिस तरह से न्यायपालिका के खिलाफ मोर्चा खोला था, वह संसद को सर्वोपरि बता रहे थे। राष्ट्रपति और राज्यपाल को लेकर जो फैसला सुप्रीम कोर्ट ने दिया था, उसके बाद से वह लगातार सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों का विरोध कर रहे थे। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज शेखर यादव वाले मामले में विपक्षी सांसदों द्वारा महाभियोग का प्रस्ताव दिया गया था, उस पर उन्होंने कोई कार्यवाही नहीं की थी। सांसदों के हस्ताक्षर अभी तक प्रमाणित नहीं हुए और यह मामला ठंडा बस्ते में पड़ा हुआ था। इसी बीच दिल्ली हाईकोर्ट से स्थानांतरित इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव स्वीकार करते हुए उसमें कार्रवाई आगे बढ़ा दी थी। लोकसभा और राज्यसभा के 215 सांसदों ने यशवंत वर्मा के महाभियोग प्रस्ताव के खिलाफ हस्ताक्षर किए थे। दोनों सदनों में इसे स्वीकार कर लिया गया था। धनखड़ लगातार सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ बोलते हुए, हर जगह कह रहे थे, संसद ही सर्वोपरि है। राष्ट्रपति ने जिन 14 मुद्दों पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की राय मांगी थी, उस पर सुप्रीम कोर्ट ने पांच जजों की खंडपीठ गठित कर इस मामले की सुनवाई करने की अधिसूचना जारी कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों की बार वरिष्ठ अधिवक्ताओं जो भी पक्ष इस बहस में शामिल होना चाहे उसके लिए अधिसूचना जारी की है। इसको लेकर सरकार और सुप्रीम कोर्ट के बीच की लड़ाई ऐसे निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है जहां पर सरकार को भारी परेशानी हो सकती है। राजनीतिक हलके में व्याप्त चर्चा के अनुसार उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के रिश्ते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह से पिछले कुछ समय से तनावपूर्ण थे। राज्यसभा टीवी को लेकर भी सरकार और धनखड़ के बीच में तनाव बना हुआ था। राज्यसभा में मानसून सत्र के पहले ही दिन जिस तरह से ऑपरेशन सिंदूर के मामले में सदन के नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को, उन्होंने बोलने का मौका दिया, उसके बाद जब सदन के नेता जेपी नड्डा बोल रहे थे। नड्डा ने बोलते हुए यह कह दिया, जो वह बोल रहे हैं वही रिकॉर्ड होगा। एक तरह से नड्डा ने धनखड़ को आदेश दिया था। यह कहकर उन्होंने आसंदी के अधिकार उनके पास है, यह संदेश देने का उपक्रम किया। सदन के अंदर यह धनखड़ का एक तरह से अपमान था। यह भी कहा जा रहा है कि विपक्षी सांसदों ने इसको लेकर एतराज जताया था। इसके बाद से हलचल बढ़ी। सूत्रों के द्वारा यह भी जानकारी आ रही है कि उनका इस्तीफा दबाव बनाकर लिया गया है। इस्तीफा तैयार कराकर उनके सामने पेश किया गया था। वह हस्ताक्षर नहीं कर रहे थे, तो कोई फाइल उन्हें दिखाई गई। उसके बाद जगदीप धनखड़ ने इस्तीफे पर हस्ताक्षर किए हैं। शाम को 6 बजे तक सब कुछ सामान्य था। उसके बाद राजनीतिक घटनाक्रम बड़ी तेजी के साथ चला। सारे देश को रात 9:30 बजे पता चला कि स्वास्थ्य कारणों से जगदीप धनखड़ ने इस्तीफा दिया है। धनखड ने जिस तरह से सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ मोर्चा खोल रखा था, उससे सरकार की परेशानी बढ़ रही थी। सरकार और धनखड़ के बीच की दूरियां बढ़ती चली जा रही थी। उपराष्ट्रपति ने जिस तरह से मल्लिकार्जुन खड़गे को बोलने का मौका दिया, वह सत्ता पक्ष को बड़ा नागवार गुजरा। सदन के अंदर गुस्से में जेपी नड्डा ने अपनी प्रतिक्रिया दे दी थी। रही सही कसर नड्डा का यह कहना कि रिकॉर्ड में वही लिखा जाएगा, जो उन्होंने कहा है। इससे धनखड़ नाराज हो गए। सरकार ने इसे धनखड़ की बगावत के रूप में देखा। शाम 6 बजे से रात 9 बजे के 3 घंटे सरकार सक्रिय हुई। दिल्ली में चर्चा है, जो इस्तीफा तैयार किया गया। वह रक्षा मंत्री के कार्यालय में तैयार हुआ था। उस पर दबाव से जगदीप धनखड़ के हस्ताक्षर कराए गए। राष्ट्रपति द्वारा स्तीफा तुरंत मंजूर कर लिया गया। उसके बाद मीडिया को सूचना दी गई है। मानसून सत्र के पहले दिन जिस तरह से धनखढ़ का इस्तीफा हुआ है, वह भारतीय राजनीति के लिए एक बड़ा बदलाव और बड़ा धमाका है। ग्रह नक्षत्र की दिशाएं बदल रही हैं। ज्योतिषियों द्वारा यह कहा जा रहा था। 29 अप्रैल के बाद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, केंद्र सरकार और भाजपा की मुसीबतें बढेंगी। पिछले दो-तीन महीने से सरकार जो भी निर्णय ले रही है। सरकार का हर दांव उल्टा पड़ रहा है। बिहार में मतदाता सूची का सघन अभियान भी चुनाव आयोग और सरकार के लिए परेशानी का कारण बन गया है। सरकार और न्यायपालिका के बीच जिस तरह की जंग छिड़ी हुई है इसका समापन किस रूप में होगा, इसको लेकर तरह-तरह की आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं। मानसून सत्र के पहले ही दिन ज्योतिषियों द्वारा की गई भविष्यवाणी का असर दिखने लगा है। आगे क्या-क्या होगा, भगवान ही मालिक है।

सावन शिवरात्रि : भस्म, डमरू और त्रिनेत्रधारी शिव की अर्चना का पुण्यकाल

योगेश कुमार गोयल

शिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। हालांकि पूरे साल मनाई जाने वाली इन शिवरात्रियों में से दो की मान्यता सर्वाधिक है, फाल्गुन महाशिवरात्रि और सावन शिवरात्रि। प्रायः जुलाई या अगस्त माह में मानसून के सावन महीने में मनाई जाने वाली सावन शिवरात्रि को कांवड़ यात्रा का समापन दिवस भी कहा जाता है। मान्यता है कि जो भी भक्त इस दिन भगवान शिव अथवा शिवलिंग पर जल अर्पित करता है, भोलेनाथ उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं। इस साल सावन शिवरात्रि का पर्व 23 जुलाई को मनाया जा रहा है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस वर्ष सावन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि की शुरूआत 23 जुलाई को सुबह 4 बजकर 39 मिनट पर हो रही है और यह तिथि अगले दिन यानी 24 जुलाई को अर्धरात्रि में 2 बजकर 24 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में श्रद्धालु शिवरात्रि पर ब्रह्म मुहूर्त में भी भगवान शिव का जलाभिषेक कर सकते हैं।

विभिन्न हिन्दू तीर्थ स्थानों से गंगाजल भरकर शिवभक्त अपने स्थानीय शिव मंदिरों में इस पवित्र जल से भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार भारत में सावन शिवरात्रि का बहुत महत्व है। इस दिन गंगाजल से भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन तीर्थस्थलों के गंगाजल से जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। सावन शिवरात्रि के दिन व्रत रखने से क्रोध, ईर्ष्या, अभिमान और लोभ से मुक्ति मिलती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह व्रत कुंवारी कन्याओं के लिए श्रेष्ठ माना गया है और यह व्रत रखने से क्रोध, ईर्ष्या, अभिमान तथा लोभ से भी मुक्ति मिलती है।

सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। वे भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के प्रतीक हैं। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। हालांकि बहुत से लोगों के मस्तिष्क में यह सवाल उमड़ता है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरूषों के जन्मदिन को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी जयंती के बजाय रात्रि के रूप में क्यों मनाया जाता है? इस संबंध में मान्यता है कि रात्रि को पापाचार, अज्ञानता और तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कालिमा रूपी इन बुराईयों का नाश करने के लिए हर माह चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है, यही रात्रि शिवरात्रि है। शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ एक धार्मिक पुस्तक में स्पष्ट करते हुए कहा गया है कि जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं।

शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे ह्यनीलकंठह्ल के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव ह्यचन्द्रशेखरह्ल भी कहलाए। धार्मिक ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

भारत में तेज गति से आगे बढ़ता पर्यटन उद्योग

हाल ही के समय में भारत, विभिन्न क्षेत्रों में, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नित नए रिकार्ड बना रहा है। कुछ क्षेत्रों में तो अब भारत पूरे विश्व का नेतृत्व करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने बैंकिंग व्यवहारों के मामले में तो जैसे क्रांति ही ला दी है। अभी हाल ही में आर्थिक क्षेत्र में बैंकिंग व्यवहारों के मामले में भारत के यूनफाईड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) ने अमेरिका के 67 वर्ष पुराने वीजा एवं मास्टर कार्ड के पेमेंट सिस्टम को प्रतिदिन होने वाले आर्थिक व्यवहारों की संख्या के मामले में वैश्विक स्तर पर पीछे छोड़ दिया है। वैश्विक स्तर पर अब भारत विश्व का सबसे बड़ा रियल टाइम पेमेंट नेटवर्क बन गया है।

भारत में वर्ष 2016 के पहिले ऑनलाइन पेमेंट का मतलब होता था केवल वीजा और मास्टर कार्ड। वीजा और मास्टर कार्ड को चलाने वाली अमेरिका की ये दोनों कंपनिया पूरी दुनिया में ऑनलाइन पेमेंट का एकाधिकार रखती थीं। वीजा की शुरूआत, अमेरिका में वर्ष 1958 में हुई थी और धीमे धीमे यह कंपनी 200 से अधिक देशों में फैल गई और ऑनलाइन भुगतान के मामले में पूरे विश्व पर अपना एकाधिकार जमा लिया। वैश्विक स्तर पर इस कम्पनी को चुनौती देने के उद्देश्य से भारत ने वर्ष 2016 में अपना पेमेंट सिस्टम, यूपीआई के रूप में, विकसित किया और वर्ष 2025 आते आते भारत का यूपीआई सिस्टम आज पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ गया है। यूपीआई पेमेंट सिस्टम के माध्यम से ओनलाइन बैंकिंग व्यवहार चुटकी बजाते ही हो जाते है। आज सब्जी वाले, चाय वाले, सहायता प्राप्त करने वाले नागरिक एवं छोटी छोटी राशि के आर्थिक व्यवहार करने वाले नागरिकों के लिए यूपीआई सिस्टम ने ऑनलाइन बैंकिंग व्यवहार करने को बहुत आसान बना दिया है। आज भारत के यूपीआई सिस्टम के माध्यम से प्रतिदिन 65 करोड़ से अधिक व्यवहार (1800 करोड़ से अधिक व्यवहार प्रति माह) हो रहे हैं जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वीजा कार्ड से माध्यम से प्रतिदिन 63.9 करोड़ व्यवहार हो रहे हैं। इस प्रकार, भारत के यूपीआई ने दैनिक व्यवहारों के मामले में 67 वर्ष पुराने अमेरिका के वीजा को पीछे छोड़ दिया है। भारत में केंद्र सरकार की यह सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक है। भारत अब इस मामले में पूरी दुनिया का लीडर बन गया है। भारत ने यह उपलब्धि केवल 9 वर्षों में ही प्राप्त की है। विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी भारत के यूपीआई सिस्टम की अत्यधिक प्रशंसा करते हुए कहा है कि यह नई तकनीकी का चमत्कार है एवं यह सिस्टम अत्यधिक प्रभावशाली है। भारत का यूपीआई सिस्टम भारत को वैश्विक बैंकिंग नक्शे पर एक बहुत बड़ी शक्ति बना सकता है।

भारत में यूपीआई की सफलता की नींव दरअसल केंद्र सरकार द्वारा चलाई गई कई आर्थिक योजनाओं के माध्यम से पड़ी है। समस्त नागरिकों के आधार कार्ड बनाने के पश्चात जब आधार कार्ड को नागरिकों के बैंक खातों से जोड़ा गया और केंद्र सरकार द्वारा देश के गरीब वर्ग की सहायता के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सहायता राशि को सीधे ही नागरिकों के बैंक खातों में जमा किया जाने लगा तब एक सुदृढ पेमेंट सिस्टम की आवश्यकता महसूस हुई और ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम के रूप में यूपीआई का जन्म वर्ष 2016 में हुआ। यूपीआई को आधार कार्ड एवं प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत बैंकों में खोले गए खातों से जोड़ दिया गया। नागरिकों के मोबाइल क्रमांक और आधार कार्ड को बैंक खातों से जोड़कर यूपीआई सिस्टम के माध्यम से आर्थिक एवं लेन-देन व्यवहारों को आसान बना दिया गया। भारत में आज लगभग 80 प्रतिशत युवा एवं बुजुर्ग जनसंख्या का विभिन्न बैकों के खाता खोला जा चुका है। यूपीआई के माध्यम से केवल कुछ ही मिनटों में एक बैंक खाते से दूसरे बैंक खाते में राशि का अंतरण किया जा सकता है। ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम के रूप में यूपीआई के आने के बाद तो अब भारत के नागरिक एटीएम कार्ड, डेबिट कार्ड एवं क्रेडिट कार्ड को भी भूलने लगे हैं।

भारत से बाहर अन्य देशों में रहने वाले भारतीय मूल के नागरिक भी अपनी बचत को यूपीआई के माध्यम से अपने परिवार के सदस्यों के बैंक खातों में ऑनलाइन राशि का अंतरण चंद मिनटों में कर सकते हैं। पूर्व में, बैंकिंग चेनल के माध्यम से एक देश के बैंक खाते से दूसरे देश के बैंक खाते में राशि का अंतरण करने में 2 से 3 दिन का समय लग जाता था तथा विदेशी बैंकों द्वारा इस प्रकार के अंतरण राशि पर खर्च भी वसूला जाता है। अब यूपीआई के माध्यम से कुछ ही मिनटों में राशि एक देश के बैंक खाते से दूसरे देश के बैंक खाते में अंतरित हो जाती है। इससे भारतीय रुपए का अंतरराष्ट्रीयकरण भी हो रहा है। विश्व के अन्य देशों में पढ़ाई के लिए गए छात्रों को अपने खर्च चलाने एवं विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में फीस की राशि यूपीआई सिस्टम से जमा कराने में बहुत आसानी होगी। जिस भी देश में भारतीय मूल में नागरिकों की संख्या अधिक है उन देशों में भारत के यूपीआई सिस्टम को लागू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। आज 13,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि इन देशों में निवास कर रहे भारतीय मूल के नागरिकों द्वारा प्रतिवर्ष भारत में भेजी जा रही हैं। वैश्विक स्तर पर भारत के यूपीआई सिस्टम की स्वीकार्यता बढ़ने से अमेरिकी डॉलर पर भारत की निर्भरता भी कम होगी, इससे भारतीय रुपए की मांग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ेगी और डीडोलराईजेशन की प्रक्रिया तेज होगी।

भारत ने यूपीआई के प्रतिदिन होने वाले व्यवहारों की संख्या के मामले में आज अमेरिका, चीन एवं पूरे यूरोप को पीछे छोड़ दिया है। वर्तमान में भारत के यूपीआई सिस्टम का विश्व के 7 देशों यथा यूनाइटेड अरब अमीरात, फ्रान्स, ओमान, मारीशस, श्रीलंका, भूटान एवं नेपाल में उपयोग हो रहा है। इन देशों में रहने वाले भारतीय मूल के नागरिक यूपीआई के माध्यम से सीधे ही भारत के साथ आर्थिक व्यवहार कर रहे हैं। दक्षिणपूर्वीय देशों यथा मलेशिया, थाइलैंड, फिलिपींस, वियतमान, सिंगापुर, कम्बोडिया, दक्षिण कोरिया, जापान, ताईवान एवं हांगकांग आदि भी भारत के यूपीआई सिस्टम के उपयोग को बढ़ावा देने के प्रयास कर रहे हैं। यूनाइटेड किंगडम, आस्ट्रेलिया एवं यूरोपीयन देशों ने भी भारत के यूपीआई सिस्टम को अपने देश में लागू करने की इच्छा जताई है। हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की साइप्रस एवं नामीबिया यात्रा के दौरान इन दोनों देशों ने भारत के यूपीआई सिस्टम को अपने देश में शुरू करने के लिए भारत से निवेदन किया है। पूरे विश्व में अब कई देशों का विश्वास भारत के यूपीआई सिस्टम पर बढ़ रहा है और यदि ये देश भारत के यूपीआई सिस्टम को अपने देश में लागू कर देते हैं तो इससे भारत में विदेशी निवेश की राशि में भी तेज गति से वृद्धि होने की सम्भावना बढ़ जाएगी।

रोटरी क्लब हसनपुर आस्था के द्वारा एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत लगाए गए 50 पौधे

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- रोटरी क्लब हसनपुर आस्था के सौजन्य से भीखनपुर/काली खेड़ा रोड पर पुल के पास तथा रोटेरियन पुनीत कुमार अग्रवाल के बाग मैं खाली भूमि पर आम सागौन गुलमोहर यूकेलिप्टस जामुन आदि के 50 पेड़ लगाए गए। पेड़ लगाने के उपरांत सभी पेड़ों की रोटेरियन क्लब के पदाधिकारी और कार्यकताओं ने सुरक्षा की शपथ ली। वृक्षारोपण के उपरांत बाग मैं क्लब की मीटिंग हुई। जिसमें कलव अध्यक्ष ने बताया की जुलाई माह वन महोत्सव माह है। जिसमें हमें अधिक से अधिक वृक्ष लगाने चाहिए तथा रोटेरियन पुनीत कुमार अग्रवाल जी द्वारा मीटिंग के बाद जलपान की सुंदर व्यवस्था की गई। वृक्षारोपण कार्यक्रम मे रोटेरियन डॉक्टर तीर सिंह सिरोही जी क्लब अध्यक्ष रोटेरियन सुनील कुमार भटनागर क्लब सचिव वरिष्ठ रोटेरियन कृष्ण अवतार अग्रवाल रोटेरियन विनय गुप्ता रोटेरियन विनोद कुमार सक्सेना विशाल अग्रवाल जी रोटेरियन ब्रह्म दत्त त्यागी तथा रोटेरियन राजीव कंसल जी उपस्थित रहे।

अलीनगर में कांवड़ियों का पुष्प वर्षा कर किया स्वागत

नौगांवा सादात/अमरोहा (सब का सपना) शौ सिंह सैनी:- नगर पंचायत क्षेत्र के मोहल्ला अलीनगर अमरोहा नूरपुर रोड पर भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय महासंपर्क अभियान विभाग के जिला संयोजक पूर्व जिला मंत्री वीरेंद्र सिंह सैनी के नेतृत्व में भाजपा कार्यकताओं ने हरिद्वार से जल लेकर नौगांवा सादात नगर के रास्ते से गुजरते हुए कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा कर एवं कोल्ड ड्रिंक वितरित करते हुए जोरदार भव्य स्वागत किया। स्वागत करते समय सभी शिव भक्तों ने हर हर महादेव के जय कारे लगाए। नूरपुर अमरोहा रोड शिव भक्ति मय हो गया। और भोले बाबा के जयकारों से गूंजता रहा। शिव भक्तों ने भव्य स्वागत के लिए सभी कार्यकताओं का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर भाजपा नेता वीरेंद्र सिंह सैनी,मोनू सैनी, करतार सिंह सैनी, नरदेव सैनी, भाजपा वरिष्ठ नेता इकराम सैफी,पवन जाटव, धर्मवीर सिंह, कुशल कुमार, मयंक कुमार ऋषभ कुमार, सुनील कुमार सैनी आदि शिव भक्त मौजूद रहे।

जिले के उप कृषि निदेशक डॉ. राम प्रवेश ने किसानों को दी जीवा अमृत की जानकारी

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- जिले में कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने और किसानों की आय में वृद्धि के लिए विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जिले के उप कृषि निदेशक डॉ. राम प्रवेश ने हाल ही में किसानों को जीवा अमृत के उपयोग और इसके लाभों की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा देने के प्रेरित किया गया। डॉ. राम प्रवेश ने बताया कि जीवा अमृत एक प्राकृतिक खाद और कीट नियंत्रक है, जो जैविक खेती का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह गोमूत्र, गोबर, गुड़, बेसन और मिट्टी जैसे प्राकृतिक तत्वों से तैयार किया जाता है। उन्होंने कहा कि जीवा अमृत का उपयोग न केवल मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाता है, बल्कि फसलों को रासायनिक कीटनाशकों के हानिकारक प्रभावों से भी बचाता है। यह पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ लागत प्रभावी भी है, जिससे छोटे और सीमांत किसानों को विशेष लाभ हो सकता है। डॉ. राम प्रवेश ने जीवा अमृत के निर्माण की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि इसे तैयार करने के लिए 10 किलो ताजा गोबर, 10 लीटर गोमूत्र, 2 किलो गुड़, 2 किलो बेसन और एक मुट्ठी स्थानीय मिट्टी को मिलाकर 200 लीटर पानी में घोलकर सुबह शाम घड़ी की दिशा में घुमाए। जो 48 घंटों में तैयार हो जाएगा। आगे 7 दिनों में इसका प्रयोग कर ले। ठंड के मौसम में जीवा अमृत 4 दिन में तैयार होता है। तैयार होने के बाद आगे 14 दिनों में इसका प्रयोग कर ले। वरन इसके सूक्ष्म जीव मर जायेंगे। इसकी प्रभाव शीलता कम हो जाएगी।

सरकार द्वारा संचालित योजनाओं, नीतियों एवं कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाना प्राथमिकता : दानिश अंसारी

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में नवनियुक्त जिला सूचना अधिकारी (डीआईओ) दानिश अंसारी ने हाल ही में अपना कार्यभार संभाला है। उससे पहले उन्होंने उत्तर प्रदेश के जिला सहारनपुर एवं अलीगढ़ में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उन्होंने अमरोहा जिले में सूचना तंत्र को मजबूत करने और जनता तक सरकारी योजनाओं की जानकारी को प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट की हैं। दानिश अंसारी ने अपने पहले संबोधन में बताया कि जिला सूचना अधिकारी पद के तौर पर अपना मुख्य कार्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं, नीतियों एवं कार्यक्रमों का प्रचार-प्रसार करते हुए जन-जन तक पहुंचाना रहेगा। इसके साथ पत्रकारों के साथ समन्वय स्थापित कर प्रशासन एवं मीडिया के मध्य बेहतर सम्बन्ध स्थापित करना रहेगा। इन सम्बन्धों के माध्यम से प्रिंट एवं इलैक्ट्रॉनिक, डिजिटल तथा सोशल मीडिया के द्वारा प्रदेश सरकार द्वारा किये जा रहे कार्यों की सकारात्मक छवि आम जन तक पहुंचेगी। दानिश अंसारी ने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता जिले में सूचना के प्रवाह को और अधिक पारदर्शी और त्वरित बनाना है। उन्होंने बताया कि जनता को सरकार की नीतियों, योजनाओं, और उपलब्धियों की जानकारी समय पर और सटीक रूप से उपलब्ध कराना उनका मुख्य लक्ष्य है। दानिश अंसारी ने स्थानीय मीडिया के साथ सहयोग को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि पत्रकारों के साथ मिलकर काम करने से सूचना का प्रसार अधिक प्रभावी होगा। उन्होंने स्थानीय पत्रकारों से मुलाकात कर उनके सुझावों को सुनने और उनके साथ नियमित संवाद स्थापित करने की बात कही। कहा कि सूचना विभाग एवं पत्रकार एक दूसरे के पूरक होते हैं। सभी पत्रकार बंधुओं से प्रचार प्रसार के कार्यों में सहयोग अपेक्षित रहेगा।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत मनाया गया कन्या जन्मोत्सव

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनान्तर्ग महिला कल्याण विभाग की ओर से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अन्तर्गत जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में जिला संयुक्त चिकित्सालय में कन्या जन्मोत्सव का आयोजन किया गया । जिलाधिकारी ने बच्चियों के जन्म पर उनके अभिभावकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बेटी के आने से घर में खुशियां आती हैं और परिवार एकजुट होता है। डीएम ने कहा कि समान लिगांनुपात स्थापित करने व कन्या भ्रूण हत्या को रोकने, बालिकाओं के स्वास्थ्य व शिक्षा को सुदृढ़ करने तथा बालिका के प्रति आमजन में सकारात्मक सोच विकसित करने के दृष्टिगत इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। उन्होंने माताओं से अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने को कहा, क्योंकि मां का स्वास्थ्य बच्चे की सेहत की नींव है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बच्चों को जन्म से पहले और बाद में समान देखभाल की जरूरत है। पहले 6 माह तक बच्चों को मां का दूध अवश्य पिलाएं, इससे उनका स्वास्थ्य मजबूत होगा। साथ ही, उन्होंने स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी ताकि बच्चे बीमारियों से बचे रहें। जिलाधिकारी ने बताया कि सरकार ने बेटियों के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, जिनका लाभ उठाकर अभिभावक अपनी बेटियों का भविष्य संवार सकते हैं। उन्होंने कहा, आज बेटियां हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा साबित कर रही हैं। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि अपनी बेटियों को बेहतर शिक्षा दें, ताकि वे समाज और देश की प्रगति में योगदान दे सकें। मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक द्वारा माताओं और बालिकाओं को शुभकामनाएं दी गयी तथा बालिकाओं का टीकाकरण पूर्ण कराने के लिए परिजनों को प्रेरित किया। जिला प्रोबेशन अधिकारी राकेश सिंह ने बालिकाओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरुक रहने का सन्देश दिया साथ ही महिला कल्याण विभाग की समस्त योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर नवजात कन्याओं की माताओं को कुल 66 बेबी किट, मच्छरदानी एवं मिठाई दे कर सम्मानित किया गया। इसके बाद उन्होंने जिला चिकित्सालय परिसर के बालिका उपवन में पौधरोपण भी किया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 सत्यपाल सिंह, सीएमएस डॉ0 एके भंडारी और डीपीओ राकेश सिंह सहित वन स्टाप सेन्टर एवं जिला प्रोबेशन कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज ने अमरोहा नगर को स्मार्ट सिटी का दर्जा दिलाने पर शशि जैन को दी बधाई

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- जिले में अग्रवाल समाज अमरोहा का एक प्रतिनिधिमंडल माननीय चेयरपर्सन शशि जैन नगर पालिका परिषद अमरोहा से मिला। अग्रवाल समाज ने माननीय चेयरपर्सन शशि जैन व अखिल जैन को अमरोहा नगर को स्मार्ट सिटी का दर्जा दिलाने हेतु बहुत बधाई प्रेषित की। अग्रवाल समाज अमरोहा द्वारा 1008 महाराजा श्री अग्रसेन जी के नाम से अमरोहा नगर में एक मार्ग (मोह छेबड़ा आजाद रोड पर डिम्पल प्रिंटिंग प्रेस से मोह कटरा शिव मंदिर होते हुए लखानी शोरुम तक) व अमरोहा नगर में मोह कटरा गुलाम अली में स्थित चौक का नाम महाराजा अग्रसेन चौक के नाम से करने हेतु मांग पत्र माननीय चेयरपर्सन महोदया व अखिल जैन को दिया। इस अवसर पर अग्रवाल समाज अमरोहा के संरक्षक बृज नारायण अग्रवाल, अध्यक्ष आकाश गोयल, महामंत्री विशाल गर्ग, कोषाध्यक्ष अचल अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, रोहित अग्रवाल सभासद, शार्दूल अग्रवाल, निशिल अग्रवाल, एड कपिल अग्रवाल, संजय कुमार अग्रवाल, दीपक मित्तल, अतुल गुप्ता, मनुज गोयल, संजीव गोयल, अनुभव गोयल, निखिल अग्रवाल व अनुपम अग्रवाल जी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने जल जीवन मिशन के तहत की हर घर नल-हर घर जल योजना की समीक्षा

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल-हर घर जल योजना की समीक्षा हेतु जनपद में किये गये कार्यों की प्रगति के संबंध में बैठक आहूत की गयी। जिलाधिकारी ने सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि तेजी से प्रगति करना सुनिश्चित करें ताकि योजना का वास्तविक लाभ आमजन को मिल सके। उन्होंने कहा कि आमजन को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना शासन-प्रशासन की प्राथमिकता में शामिल है, धरातल पर कार्य करते हुए रेगुलर वाटर सप्लाई को बढ़ाया जाए। उन्होंने तोड़ी गई सड़कों का गुणवत्तापरक री-स्टोरेशन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अधिशासी अभियंता एवं डीपीएम टीपीआई को निर्देशित किया कि कार्यदायी संस्थाओं से धरातल पर गुणवत्तापरक कार्य कराना सुनिश्चित किया जाए। जिन जगहों पर शिकायतें हैं, उनकी सूची संबंधित फर्म को उपलब्ध कराते हुए शीघ्रता से निस्तारण के निर्देश दिए। पानी की गुणवत्ता की जांच के लिए गठित समिति को पानी की जांच कर रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। पूर्ण परियोजनाओं में लीकेज की शिकायत के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। डीएम ने ब्लॉक स्तर पर होने वाली बैठक में जल निगम के अधिकारियों और संबंधित फर्म को भी प्रतिभाग करने की बात कही ताकि ब्लॉक स्तर पर प्राप्त होने वाली समस्याओं का शीघ्रता से समाधान किया जा सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अधिशासी अभियन्ता जल निगम चंद्रहास, सहायक अभियंता शहरोज आरिफ सहित संबंधित अधिकारीगण तथा संबंधित फर्म के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कर्बला जालिम के खिलाफ खड़ा होने का दर्स देती है- मौलाना जाहिद हुसैन

सय्यदे सज्जाद की याद में शबबेदारी व जूलूस

सैद नगली/अमरोहा (सब का सपना):- कर्बला को याद रखना हमारे लिए बहुत जरूरी है, क्योंकि जिसने भी कर्बला के वाकिए का अध्ययन किया है, वह कभी भी जालिम की हिमायत नहीं कर सकता। नगर पंचायत सैद नगली में इमामबारगाह वक्फ मिसमात फात्मा में मजलिस का आयोजन किया गया। जिसमें मर्सियाख्वानी सलमान हैदर और उनके हमनवाओं ने की। मजलिस को खिताब फरमाते हुए मौलाना जाहिद हुसैन रामपुरी ने कर्बला के वाकिए पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इमाम हुसैन ने कर्बला में दीन को बचाने के लिए अपना सब कुछ कुर्बान कर दिया। कर्बला के बाद इमाम जैनुल आबिदी को बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ा। आप पूरी उम्र अपने बाबा को याद करके रोते रहे। मजलिस के बाद स्थानीय अंजुमन ए पंजतनी सैदनगली के साहिब ए बयाज हैदर अब्बास, सुहैल अब्बास, मिसाल अब्बास ने नौहाख्वानी की। उसके बाद बाहर आने वाली अन्जुमनों ने नौहाख्वानी व सीनाजनी की। जिस में मुख्य रूप से अंजुमन ए हुसैनिया कदीम हरदौई (रजि०) के साहिब ए बयाज पंडित छोटेलाल, अंजुमन ए पंजतनी सिरसी सादात के साहिब ए बयाज लकी जाफरी, अंजुमन दुआए जेहरा मुजफ्फरनगर के साहिब ए बयाज शबीह अब्बास, अंजुमन सिपाहे हुसैनी भनौली सादात के साहिब ए बयाज जुहैर अब्बास, दस्ता ए हुसैनी मेरठ के साहिब ए बयाज हुमायूँ जैदी, अंजुमन हाशमी इकरोटियां के साहिब ए बयाज रविश, अंजुमन ए पंजतनी जलालपुर के साहब बयाज आरजू जलालपुरी एवं अंजुमन अजा ए हुसैनी रसूलपुर ने अपने मखसूस अंदाज में नौहाख्वानी व सीनाजनी की। उस के बाद इमामबारगाह से एक शबीहे ताबूत बरामद हुआ। जो अपने तयशुदा रासतों से होकर इमामबारगाह मुजाहिद हुसैन में जाकर समाप्त हुआ। जहां पर सभी अंजुमनों ने अलविदा नोहा पढ़ा। पूरी रात शबबेदारी रही। इस अवसर पर मुख्य रूप से इकबाल जफर, मौ० अब्बास, हैदर अब्बास, मिसाल अब्बास, सुहेल अब्बास एडवोकेट, कुमैल असगर, इमरान मुर्तजा एडवोकेट, फजल अब्बास, रिजवान हैदर, रियाजुल हसन, मौ० जमा, अरीब हैदर एड, डा० अहमद मुर्तजा, मौलाना कम्बर, शरफ मुर्तजा, दानिश बाकरी, अलाउद्दीन सैफी, बिलाल बाकरी, नसीरुल हसन, अम्मार रिजवी, जीशान हैदर आदि मौजूद रहे। प्रोग्राम का संचालन डॉ० अहमद मुर्तजा ने किया।

जनपद में समस्त क्षेत्राधिकारी/थाना प्रभारियों द्वारा क्षेत्र के ड्रोन मालिकों एवं संचालनकताओं के साथ कि गई गोष्ठी

वर्तमान में ड्रोन सम्बन्धी फैल रही अफवाहों को नियंत्रित करने के सम्बन्ध में दिये गये आवश्यक दिशा निर्देश

अमरोहा(सब का सपना):- वर्तमान में ड्रोन सम्बन्धी फैल रही अफवाहों को नियंत्रित करने के सम्बन्ध में जनपद के समस्त थानों पर क्षेत्राधिकारी/थाना प्रभारियों द्वारा क्षेत्र के ड्रोन मालिकों एवं संचालनकताओं के साथ गोष्ठी आयोजित कर क्षेत्र में ड्रोन संचालन से संबंधित नियमों की जानकारी दी गयी तथा सत्यापन कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। गोष्ठी के दौरान प्रत्येक ड्रोन का सत्यापन कर उसे एक यूनिक नंबर आवंटित किया गया। जिसे संबंधित ड्रोन पर स्पष्ट रूप से अंकित किया गया। इससे ड्रोन की पहचान आसान होगी और अनधिकृत संचालन को रोका जा सकेगा। ड्रोन संचालकों को डीजीसीए (DGCA) द्वारा निर्धारित गाइडलाइंस, उड़ान की ऊँचाई, समय और अनुमत श्रेणियों की जानकारी दी गई। साथ ही, यह स्पष्ट किया गया कि यदि कोई ड्रोन बिना अनुमति या नियमों के विरुद्ध उड़ाया गया, तो उसके खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी । ड्रोन से संबंधित चोरी की रेकी या संदेहास्पद गतिविधियों की झूठी अफवाहों के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए बताया गया जानकारी देते हुए बताया गया कि अब तक कोई ऐसा आपराधिक मामला सामने नहीं आया है जिसमें ड्रोन का प्रयोग कर चोरी की गयी हो। अभी तक की जांच में पाया गया है कि कुछ शरारती तत्वों द्वारा अफवाहों को बल देने के लिए ड्रोन उड़ाए जा रहे हैं। रात्रि में खिलौना हेलिकॉप्टरों की रोशनी को ड्रोन समझ लिया जाता है। ऊँचाई पर उड़ते हवाई जहाज की लाइट को भी कई बार ड्रोन मान लिया जाता है । किसी एक व्यक्ति द्वारा ड्रोन देखा गया कहने पर अफवाह फैल जाती है, भले ही किसी ने कुछ न देखा हो । गलत तरीके से ड्रोन का प्रयोग और सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी। साथ ही बताया गया कि यदि आपको ड्रोन अथवा ड्रोन जैसी कोई वस्तु दिखाई दे तो 9454458055 पर ड्रोन का फोटो/वीडियो, स्थान, समय व्हाट्सएप करें। ड्रोन संचालकों से सहयोग की अपेक्षा की गई कि वे किसी भी अफवाह या संदेह की स्थिति में स्वयं पुलिस को सूचित करे। अपील करते हुए कहा गया कि ड्रोन एक आधुनिक तकनीक है, लेकिन उसका प्रयोग अनुशासन, पंजीकरण और नियमों के तहत ही किया जाना चाहिए। जनपद में किसी भी प्रकार की अफवाह या असामाजिक गतिविधियों को फैलाने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। पुलिस जनहित में सजग है और आमजन से भी सजग रहने व सहयोग करने की अपेक्षा रखती है।

सम्भल पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में जिला सैनिक बंधु की बैठक का आयोजन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक जनपद कृष्ण कुमार की अध्यक्षता में जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास जिला सैनिक बंधु की बैठक का आयोजन जिला कलेक्ट्रेट सभागार बहजोई में किया गया । बैठक में उपस्थित पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों की विभिन्न समस्याओं को पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई द्वारा गंभीरता से सुना गया तथा पूर्व सैनिक व उनके आश्रितों की समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इस दौरान अपर जिलाधिकारी सम्भल एवं विभिन्न विभागों को संबंधित अधिकारी गण बैठक में उपस्थित रहे।

सपा कार्यकताओं ने अपर पुलिस अधीक्षक सम्भल को ज्ञापन सौंपकर कार्यवाई की मांग की

एक व्यक्ति द्वारा सोशल मीडिया पर कैराना की सांसद इकरा हसन के प्रति अपत्तिजनक, अशोभनीय टिप्पणी पर कठोर कानूनी कार्यवाही करने हेतु दिया गया प्रार्थना पत्र

सम्भल(सब का सपना):- सपा कार्यकताओं द्वारा ज्ञापन सौंपकर कार्यवाई की मांग की गई है। ज्ञापन में कहा गया कि अवगत कराना है कि इस पत्र के माध्यम से आपका ध्यान एक अत्यन्त गम्भीर एवं अपत्तिजनक प्रकरण की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। एक सोशल मीडिया एकाउन्ट जिसका नाम ठाकुर योगेन्द्र सिंह राणा है, के द्वारा हाल ही में एक पोस्ट की गयी।जिसमें सांसद इकरा हसन चौधरी कैराना के प्रति अत्यन्त अभ्रद अशोभनीय निजी और लज्जा जनक भाषा का प्रयोग किया गया है। पोस्ट में न केवल एक सार्वजनिक रूप से महिला जन प्रतिनिधि की गरीमा को ठेस पंहुचायी गयी बल्कि सामाजिक सौहार्द महिला सम्मान और मायार्दा के विरुद्ध बयान बाजी की गयी है। ये आचरण नैतिक दृष्टि से बहुत ही निन्दनीय है। इकरा हसन जनता द्वारा चुनी हुयी जन प्रतिनिधि है और जनता की आवाज हैं। जनता के आत्म सम्मान की प्रतिनिधि है। उनके सम्मान की रक्षा हम सब की जिम्मेदारी है। बेटी की गरिमा के लिए, हर मां की आंखों के सुकून के लिए इस अपमान की घोर निन्दा होनी चाहिए। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि व्यक्ति के विरुद्ध एफ.आई.आर दर्ज की जाये। सोशल मीडिया एकाउन्ट को निष्क्रिय कराने हेतु सम्बन्धित प्लेटफार्म को सूचना भेजी जाये। इस तरह के भ्रामक अपत्तिजनक और गैर कानूनी कृत्यों के लिए दृढ उदाहरण प्रस्तुत करते हुए कानूनी कार्यवाही की जाये जिससे भविष्य में कोई भी जन प्रतिनिधि विशेषकर महिला सांसद के प्रति इस प्रकार की भाषा का प्रयोग करने से बचें। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी, विधायक पुत्र सोहेल इकबाल, सुभाष चंद्र जिला पंचायत सदस्य, फय्याज सैफी प्रधान,हबीब अहमद पूर्व जिला पंचायत सदस्य, शमशाद अली, रियासत हुसैन सैफी,सईद अफसर इसराइली,यामीन सैफी, तसलीम खा,मेंहदी हसन,नजर हुसैन सैफी, हाशम अली,तथा सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत जिला सूचना विज्ञान अधिकारी द्वारा सम्भल संवाद ऐप के विषय में दी गई जानकारी

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया के अध्यक्षता में जिला सूचना विज्ञान अधिकारी (एन.आई.सी) प्रभात मिश्रा द्वारा सम्भल संवाद ऐप को लेकर जनपद के समस्त सहायक विकास अधिकारी(पंचायत), समस्त ग्राम सचिव(ग्रा.पं.अ./ग्रा.वि.अ.) व समस्त खंडप्रेरक के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत जिला सूचना विज्ञान अधिकारी प्रभात मिश्रा द्वारा सम्भल संवाद ऐप के विषय में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन सम्भल की मोबाइल फर्स्ट डिजिटल गवर्नेंस के क्षेत्र में संभल संवाद एक अभिनव पहल है। जनपद संभल की सभी महत्वपूर्ण जानकारी सीधे आपके मोबाइल पर उपलब्ध होंगी। इस ऐप के द्वारा जिलाधिकारी द्वारा प्रत्येक दिन किये जाने वाले जनता दर्शन में मिलने हेतु ऑनलाइन पर्ची बुक की जा सकती है तथा इस ऐप के माध्यम से भ्रष्टाचार की शिकायत कर सकता है तथा यह ऐप गूगल प्ले स्टोर तथा एप्पल प्ले स्टोर दोनों पर अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषा में उपलब्ध है। जनपद वासी इस ऐप के माध्यम से शासकीय अधिकृत जानकारी, योजनाओं, विज्ञप्ति, कार्यक्रम आदि के विषय में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसमें सभी अधिकारियों की टेलिफोन डायरेक्टरी व सभी आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर भी देखे जा सकते हैं। इसके अंतर्गत संभल संवाद ऐप पर ही जनपद के समस्त सचिवो को लॉगिन कर प्रतिदिन जियो लोकेशन सहित उपस्थिति दर्ज करना होगा जिसकी समीक्षा जिला स्तर से भी कि जाएगी। इस ऐप के माध्यम से ये सुनिश्चित किया जा सकेगा कि सचिव नियमित रूप से अपने क्षेत्र मे जा रहे या नही। साथ ही मुख्यालय से बाहर निवास करने वाले कर्मचारियो पर भी निगाह रखी जा सकेगी। यह नागरिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है तथा जनपद में स्थित सरकारी कार्यालयों, अस्पताल, पुलिस थाना, स्कूल कॉलेज, पर्यटन स्थल, बैंक, एटीएम तथा पब्लिक ट्रांसपोर्ट की जिओ लोकेशन जानकारी देखी जा सकती है। इसके माध्यम से जनपद के सभी आगामी शासकीय कार्यक्रम, प्रेस विज्ञप्ति, रिक्तियाँ, उपलब्धियां, टेंडर, नोटिस, योजनाएं, सेवाएं, प्रमाण पत्र, एवं शासकीय पोर्टल, इत्यादि की सटीक जानकारी प्राप्त की जा सकती है। डीआईओ एन आई सी द्वारा मोबाइल में इसको कैसे डाउनलोड करना है तथा कैसे उपस्थिति दर्ज करनी है, इसकी जानकारी दी तथा संभल एडमिन ऐप के विषय में भी जानकारी दी जोकि विभागीय अधिकारियों से संबंधित है, जिसके माध्यम से वह अपने विभाग से जुडी जानकारियां ऐप में जोड़ सकते हैं। जिलाधिकारी द्वारा समस्त सचिवो को संभल संवाद ऐप प्रतिदिन उपस्थिति दर्ज करने व ऐप के प्रचार प्रसार हेतु बृहद अभियान चलाने हेतु निर्देशित किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने ऐप पर अद्दतन जानकारी नियमित रूप से अपडेट करने के लिए समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया जिससे की नागरिकों को कोई भी असुविधा ना हो। जिलाधिकारी ने समस्त संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर जो कर्मचारी तैनात किए गए हैं जैसे कि ग्राम सचिव एवं लेखपाल वह संबंधित तैनाती के ग्राम पंचायत में ही अपना निवास करें। और उन्होंने कहा कि समस्त ग्राम पंचायत सचिव एवं लेखपाल ऑनलाइन उपस्थिति लगाएंगे जिओ टैगिंग लोकेशन के साथ और उन्होंने कहा कि बिना खंड विकास अधिकारी की अनुमति के कोई भी सचिव ग्राम पंचायत नहीं छोड़ेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रतिदिन 670 ग्राम पंचायत में फैमिली आईडी एवं फार्मर रजिस्ट्री का कार्य कराया जाए और उन्होंने कहा कि प्रतिदिन इन कार्यों की रिपोर्ट ली जाए अगर किसी भी दशा में किसी भी संबंधित अधिकारी के द्वारा एवं कर्मचारियों के द्वारा कार्य नहीं किया जाता है तो उसको जिला मुख्यालय पर बुलाया जाए। जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रतिदिन प्राप्त रिपोर्ट का अवलोकन किया जाए अगर रिपोर्ट संतोषजनक नहीं पाई जाती है तो संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारियों को शाम 8:00 बजे बुलाकर उसे रिपोर्ट के विषय में जानकारी प्राप्त की जाए एवं आवश्यक दिशा निर्देशित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि अगर प्रगति सही नहीं पाई जाती है तो नो वर्क नो पे के आधार पर इसका एक दिन का वेतन काटा जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा जिला विकास अधिकारी राम आशीष, अपर जिला पंचयती राज अधिकारी सीपी सिंह, डीपीएम, समस्त सहायक विकास अधिकारी, खंडप्रेरक, समस्त सचिव, एनआईसी स्टाफ व संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

बुरावली में चोरों द्वारा नसीम के घर लूटने व गले पर बार करने का मामला निकला झूठा

सहानुभूति के उद्देश्य से खुद ही रच लिया षड्यंत्र अब पुलिस ने किया खुलासा

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के कुशल निर्देशन एवं मार्गदर्शन में जनपद में अपराध नियंत्रण एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अखिलेश भदौरिया अपर पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व एवं दीप कुमार पंत क्षेत्राधिकारी हसनपुर के निकट पर्यवेक्षण में थाना रहरा पुलिस द्वारा पत्नी से झगडे के कारण सहानुभूति प्राप्त करने हेतु स्वयं को घायल कर लूट की झूठी सूचना देकर अभियोग पंजीकृत कराने की घटना का खुलासा किया है। 17/07/2025 को थाना रहरा पर मजीदन पत्नी जरीफ निवासी ग्राम बुरावली थाना रहरा द्वारा अपने बेटे नसीम को किसी अज्ञात द्वारा चाकू मारकर घायल कर देने व 5,000 रुपये लूट लेने के सम्बन्ध में मु0अ0सं0-154/25 धारा 309(6) बीएनएस बनाम अज्ञात पंजीकृत कराया गया। घटना की गंभीरता के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक द्वारा क्षेत्राधिकारी हसनपुर व प्रभारी थाना रहरा को पुलिस टीमें गठित कर घटना का शीघ्र अनावरण करने हेतु निर्देशित किया गया। इसी क्रम में सर्विलांस, सीडीआर, साक्ष्य संकलन एवं सीसीटीवी फुटेज के आवलोकन व वादिनी व मजरूब के बयानों में विरोधाभास के आधार पर प्रकरण में पंजीकृत अभियोग में दर्शाई गयी घटना झुठी पायी गयी। नसीम द्वारा पत्नी से झगडे व पत्नी के घर पर लौट कर ना आने के कारण सहानुभूति प्राप्त करने हेतु झुठी घटना दशार्यी गयी थी। मंगलवार को थाना रहरा पुलिस द्वारा लूट की झुठी सूचना देकर अभियोग पंजीकृत कराने की घटना का खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार पूछताछ पर नसीम ने बताया कि उसके द्वारा अपनी पत्नी से पूर्व मे हुए झगडे व पत्नी के घर पर न लौट कर आने के कारण खुद अपनी गर्दन मे चाकू मारकर अपने को घायल किया गया था। बाद मे खुद उसके व परिवार के लोगो द्वारा झूठ बोलकर अज्ञात बदमाशो द्वारा रुपए आदि लूटने के सम्बन्ध मे झूठा बयान इसलिए दिया था कि उन्हे अपने परिवार/ मौहल्लेवासियो/ ग्रामीणो व रिस्तेदारो की सहानुभूति प्राप्त हो सके ।

आर डी एच फाउंडेशन (एनजीओ) कि टीम ने ब्रजघाट में कावड़ियों का फूल माला डालकर किया स्वागत

हापुड़ (सब का सपना):- जनपद के बृजघाट में आर डी एच फाउंडेशन की टीम ने गोमुख से आए कावड़ियों का फूल माला डालकर स्वागत किया। इस दौरान ऐन जी ओ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रोहित राजपूत, मोहित राजपूत, मनीष राजपूत,राजू राजपूत, खुशबू राजपूत, भानू राजपूत, चन्दन राजपूत, मयंक राजपूत, प्रियांशु राजपूत, सोनू सिंह राजपूत व टीम के सदस्यों के द्वारा कावड़ियों का स्वागत किया गया। इस दौरान अमित सिंह , राकेश सिंह, मोनू सिंह, हरि प्रकाश गुप्ता, सरिता, अनीता, सतपाल, बरन सिंह, सोनिका ठाकुर, मोनिका ठाकुर वरिष्ठ पत्रकार आदि लोग मौजूद रहे।

सम्भल पुलिस अधीक्षक द्वारा किया गया कांवण मार्गों का निरीक्षण

मुस्लिम समुदाय द्वारा कैंप लगाकर शिव भक्तों को पुष्प वर्षा तथा फल वितरित कर आपसी सौहार्द, भाईचारे की मिसाल पेश की

सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक जनपद कृष्ण कुमार द्वारा श्रावण मास, कांवण यात्रा व महाशिवरात्री पर्व के दृष्टिगत थाना क्षेत्रान्तर्गत चौकी चौधरी सराय पर कांवण मार्गों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा लगे पुलिस बल व यातायात की व्यवस्थाओं को चेक किया गया। इस दौरान विभिन्न संगठनों, मुस्लिम समुदाय द्वारा कैंप लगाकर कावड़ लेकर जाने वाले व आने वाले श्रद्धालुओं शिवभक्तों पर जनपद संभल के आगमन पर पुष्पा वर्षा एवं फल वितरण कर स्वागत किया गया तथा आपसी सौहार्द, भाईचारे की मिसाल पेश की गई।

रोड वेज बस में गुम हुये बैग को पुलिस ने तलाश कर यात्री को सौंपा

गुन्नौर/संभल(सब का सपना):- रोड वेज बस में एक यात्री का बैग सफर के दौरान छूट गया उसने डायल 112 पर संपर्क साधा। सूचना पाकर पुलिस ने कड़ी मेहनत कर बैग तलाश करके यात्री के सुपुर्द कर दिया। आपको बता दें कि थाना गुन्नौर में संचालित यूपी 112 पुलिस को सूचना प्राप्त हुई। जिसमे कॉलर दीपक पुत्र राजेन्द्र सिंह निवासी रानीखेत (उत्तराखण्ड) ने बताया कि मेरा बैग रोड वेज बस मे छूट गया है। पुलिस सहायता चाहिए। तत्काल पीआरवी कर्मियों द्वारा अपनी सूझबूझ का परिचय देते हुए बिना देरी किये तत्काल कॉलर के मो0न0 से वार्ताकर जानकारी की गयी तो कॉलर ने बताया कि मैं बरैली से दिल्ली जाने वाली रोड वेज बस द्वारा दिल्ली जा रहा था तभी चाय पीने हेतु नूरपुर तिराहे पर उतरते समय मेरा बैग बस में ही रह गया है, बस इन्द्राचौक बबराला की तरफ गयी है। इस सम्बन्ध में तत्काल ROIP कन्ट्रोल रूम जनपद सम्भल को अवगत कराया गया, ROIP कन्ट्रोल रूम द्वारा पुलिस कर्मियों को इन्द्राचौक बबराला पर चैकिंग करने हेतु बताया गया। कुछ समय पश्चात इन्द्राचौक बबराला थाना गुन्नौर के पास कॉलर द्वारा बतायी गयी बस को आते देख पुलिस कर्मियों द्वारा बस को रूकबा कर बैग को बस में तलाश कर कॉलर को बुलाकर उसके बैग को सुपुर्द किया गया। जिसकी जनता द्वारा भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी तथा कॉलर ने कोटि-कोटि धन्यवाद करते हुए आभार व्यक्त किया।

पत्नी की तबीयत पुछने पर नशे में धुत सिपाही ने हेड कांस्टेबल पर किया जानलेवा हमला

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवालः- पुलिस लाइन में सोमवार रात उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक सिपाही ने नशे की हालत में अपने वरिष्ठ हेड कांस्टेबल पर लोहे की रॉड और डंडों से हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल हेड कांस्टेबल को पहले अमेठी सीएचसी और फिर जिला अस्पताल रेफर किया गया है। घटना सोमवार रात करीब 9:30 बजे की है, जब हेड कांस्टेबल राजन प्रताप वर्मा अपने कमरे में मौजूद थे। तभी पुलिस लाइन में तैनात सिपाही राकेश सिंह उनके कमरे में आया। हेड कांस्टेबल द्वारा राकेश से उसके परिवार का हालचाल पूछने पर वह अचानक भड़क उठा। बताया जा रहा है कि सिपाही उस समय नशे में धुत था। उसने पहले पुलिस डंडे से और फिर लोहे की रॉड से राजन पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। राजन प्रताप वर्मा ने बताया कि, मैंने उससे सिर्फ इतना पूछा कि भाभी कैसी हैं, तो वह आगबबूला हो गया। मैं बुजुर्ग हूं, मैंने उससे माफी भी मांगी, उसके पैर भी छुए, लेकिन उसने मुझ पर रहम नहीं किया और बेरहमी से पीटा। चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे अन्य पुलिसकर्मियों ने किसी तरह बीचबचाव किया और घटना की सूचना अमेठी कोतवाली पुलिस को दी। घायल को तत्काल सीएचसी पहुंचाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। इस हमले में हेड कांस्टेबल के सिर और आंखों में गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस ने आरोपी सिपाही के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

ग्राम पंचायत में डिजिटल लाइब्रेरी स्थापना को लेकर जिलाधिकारी ने की बैठक

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवालः- ग्रामीण अंचलों में शिक्षा, डिजिटल साक्षरता और सूचना तक आसान पहुंच को सुनिश्चित करने की दिशा में सरकार ने एक नई पहल की है। इसी क्रम में ग्राम पंचायत स्तर पर डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना की योजना शुरू की गई है। इस महत्वाकांक्षी योजना को लेकर जिलाधिकारी संजय चौहान ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर विस्तृत समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला पंचायत राज अधिकारी मनोज त्यागी ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद अमेठी की कुल 682 ग्राम पंचायतों में से प्रथम चरण में 108 ग्राम पंचायत भवनों को डिजिटल लाइब्रेरी से सुसज्जित किया जाएगा। इन लाइब्रेरी में एक स्मार्ट टीवी, डेस्कटॉप कंप्यूटर, आवश्यक

सॉफ़्टवेयर, उच्च गति इंटरनेट कनेक्शन, कुर्सी-मेज, रैक, अलमारी, बुकसेल्फ और अन्य जरूरी उपकरण स्थापित किए जाएंगे। खास बात यह है कि डिजिटल संसाधनों के साथ-साथ वहां भौतिक पुस्तकें भी उपलब्ध होंगी, जिससे छात्र-छात्राएं अपनी पढ़ाई के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी आसानी से कर सकेंगे। ग्रामीण नागरिक भी इन केंद्रों का उपयोग सामान्य ज्ञान, कृषि तकनीक, स्वास्थ्य और सरकारी योजनाओं से जुड़ी जानकारी प्राप्त करने में कर सकेंगे। जिलाधिकारी संजय चौहान ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि डिजिटल लाइब्रेरी से जुड़ी सभी सामग्री गुणवत्तापूर्ण और मानक के अनुरूप खरीदी जाए। उन्होंने कहा कि इस योजना के क्रियान्वयन में पूर्ण पारदर्शिता बरती जाए तथा प्रत्येक लाइब्रेरी का संचालन सुचारु रूप से हो इस पर विशेष निगरानी रखी जाए। उन्होंने कहा कि यह केवल एक तकनीकी परियोजना नहीं, बल्कि गांवों में आत्मनिर्भर भारत की नींव रखने का प्रयास है, जहाँ शिक्षा और सूचना हर घर तक पहुँचेगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल, जिला समाज कल्याण अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

संचारी रोग नियन्त्रण अभियान के तहत चूहा/छंछूदर नियन्त्रण के लिए किसानों एंव जनसमुदाय हेतु जारी हुई एडवाइजरी

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- जिला कृषि रक्षा अधिकारी डॉ0 राजेश कुमार ने बताया कि चूहा फसलों के अलावा घर में अनाज भण्डारण में भी काफी नुकसान पहुंचातें है। संचारी रोगों के प्रसार के लिए अन्य कारकों के साथ-साथ चूहा एवं छछूंदर भी उत्तरदायी है, जिसके दृष्टिगत अभियान में कृतंक नियत्रंण की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। इसलिए इन रोगों के रोकथाम के लिए चूहे एंव छछूंदर का प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है। इस क्रम में उन्होंने बताया कि निम्न सुझाव एंव संस्तुतियों को अपनाकर चूहा का नियंत्रण या बचाव सुनिश्चित कर सकते है, चूहे मुख्य रूप से 2 प्रकार के होते हैं- घरेलू एंव खेत के चूहे। घरेलू चूहा घर में पाया जाता है जिसे चुहिया या मूषक कहा जाता हैं। खेत के चूहों में फील्ड रैट, सापट फर्ड फील्ड रैट एंव फील्ड माउस प्रमुख हैं। इसके अतिरिक्त भूरा चूहा खेत व घर दोनों जगह पाया जाता है, जंगली चूहा जंगलों, रेगिस्तानों निर्जन स्थानों झाड़ियों में पाया जाता है। उन्होंने बताया कि चूहों की संख्या को नियंत्रित करने के लिए अन्न भण्डारण पक्का, कंक्रीट तथा धातु से बने पात्रों में करना चाहिए ताकि उनको भोज्य पदार्थ सुगमता से उपलब्ध न हो सकें, चूहा अपना बिल, झाड़ियों, कूड़ों एवं मेड़ों आदि में स्थायी रूप से बनाते है। खेतों का समय-समय पर निरीक्षण एंव साफ सफाई करके इनकी संख्या को नियंत्रित किया जा सकता है, चूहों के प्राकृतिक शत्रुओं बिल्ली, सॉप, उल्लू, लोमड़ी, बाज एंव चमगादड़ आदि द्वारा चूहों को भोजन के रूप में प्रयोग किया जाता है व इनको संरक्षण देने से चूहों की संख्या नियंत्रित हो सकती है, चूहेदानी का प्रयोग करके उसमें आकर्षक चारा जैसे-रोटी, डबलरोटी, बिस्कुट आदि रखकर चूहों को फसा कर मार देने से इनकी संख्या नियंत्रित की जा सकती हैं, घरों में ब्रोमोडियोलान 0.005 प्रतिशत के बने चारे की 10 ग्राम मात्रा प्रत्येक जिन्दा बिल अथवा उपयुक्त स्थान में रखने से चूहे खा कर मर जाते है, जिंक फारफाइड 80 प्रतिशत की 1.0 ग्राम मात्रा को 1.0 ग्राम सरसों का तेल एवं 48.0 ग्राम भुने दाने में बनाये गये चारे को बिल उपयुक्त स्थान में रखें, एल्युमिनियम फास्फाइड दवा की 3-4 ग्राम मात्रा प्रति जिन्दा बिल में डालकर बिल बन्द कर देने से उससे निकलने वाली फारफीन गैस से चूहे मर जाते हैं। उन्होंने बताया कि चूहा बहुत चालाक प्राणी है जिसे छः दिवसीय योजना बनाकर इनको आसानी से नियंत्रित किया जा सकता है जिसके तहत प्रथम दिन आवासीय घरों एंव आस-पास के क्षेत्रों का निरीक्षण एवं बिलों को बन्द करते हुए चिन्हित करें। दूसरे दिन निरीक्षण कर जो बिल बन्द हो वहाँ चिन्हे मिटा दें व जहाँ पर बिल खुले पायें वहाँ चिन्ह रहने दें तथा खुले बिल में एक भाग सरसों का तेल एव 48 भाग भुने दाने का चारा बिना जहर मिलाये बिल में रखें। तीसरे दिन बिलों का निरीक्षण कर बिना जहर का चारा पुनः रखें। चौथे दिन जिंक फास्फाइड 80 प्रतिशत की 1.0 ग्राम मात्रा को 10 ग्राम सरसों का तेल एवं 48.0 ग्राम भुने दाने में बनाये गये चारे को बिल में रखें। पांचवें दिन बिलों का निरीक्षण करें एवं मरे हुये चूहों को एकत्र कर जमीन में गाड़ दें एवं छठे दिन बिलों को पुनः बन्द करें तथा अगले दिन यदि बिल खुले पाये जाये तो उपरोक्त कार्यकम पुनः अपनायें। उन्होंने बताया कि चूहा नियन्त्रण के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के लिए चूहा नियन्त्रण रसायनों का प्रयोग करते समय हाथ में दस्तानें पहनें, रसायनों को बच्चों से दूर रखें, मरे हुए चूहों को सावधानीपूर्वक घर से बाहर मिट्टी में दबा दें, दवा के प्रयोग के दौरान घर में रखी खाद्य सामाग्री इत्यादि को अच्छी तरह से ढक दें।

बकरी चोरी के शक में बाप-बेटे को थाने में पीटा, परिजनों ने लगाया एक लाख में छोड़ने का आरोप

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- थाना जामों क्षेत्र के एक बकरी व्यवसायी परिवार ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि बकरी चोरी के शक में उनके बेटे को अवैध रूप से उठाकर थाने ले जाया गया, जहां बाप-बेटे दोनों को बेरहमी से पीटा गया और एक लाख रुपये की घूस लेकर छोड़ा गया। पीड़ित ने इस संबंध में पुलिस अधीक्षक को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित व्यक्ति का कहना है कि उनका परिवार पारंपरिक रूप से बकरी खरीद-बिक्री और शादी-विवाह में खाना बनाने का कार्य करता है। 10 जुलाई 2025 को, पुलिस ने उनके

बेटे इरशाद को खौंपुर गांव निवासी मुबीन के घर से हिरासत में लिया। जब पिता जानकारी लेने थाने पहुँचे, तो उन्हें भी बैठा लिया गया और बिना एफआईआर के दोनों को बुरी तरह पीटा गया। पीड़ित ने आरोप लगाया कि थाने में उन्हें पट्टे और लात-घूंसे से मारा गया, जिससे उनकी कमर के नीचे गंभीर चोटें आईं। इसके बाद गांव के प्रधान उमापति तिवारी की मध्यस्थता से थाने के हेड मोहर्रिर दिनेश को एक लाख रुपये दिए गए। इसके बाद दोनों को "शांति भंग" की धारा में चालान कर छोड़ दिया गया। पीड़ित ने यह भी बताया कि इससे पहले 26 जून को भी एसओजी टीम ने उन्हें हिरासत में लिया था, और तब भी सवा लाख रुपये की घूस देने के बाद ही छोड़ा गया। दोनों ही मामलों में प्रधान उमापति तिवारी की भूमिका पर सवाल उठाए गए हैं। परिवार का आरोप है कि अब उन्हें और उनके बेटे को दोबारा जेल भेजने की धमकी दी जा रही है और थाने से लगातार फोन कर बुलाया जा रहा है। पीड़ित ने एसपी अमेठी से न्याय की गुहार लगाते हुए जिम्मेदार पुलिसकर्मियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

डीएम ने जनसुनवाई में सुनी जनता की समस्याएं-

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवालः- जिलाधिकारी संजय चौहान ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय में आमजन की समस्याएं सुनीं। जिलाधिकारी ने जनसुनवाई के दौरान प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक नागरिक की समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। किसी भी स्तर पर लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विषैले जंतु के डसने से युवक की मौत, मासूमों से छिना पिता का साया

सुलतानपुर (सब का सपना):- चांदा क्षेत्र के भेरौरा गांव में सोमवार को खेत में काम कर रहे एक युवक की विषैले जंतु के डसने से दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान पवन (32) पुत्र श्याम बहादुर के रूप में हुई है। घटना के बाद से गांव में मातमी सन्नाटा पसरा गया,जबकि पीड़ित परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। जानकारी के मुताबिक, पवन रोज की तरह सुबह खेत में कृषि कार्य कर रहे थे। इसी दौरान किसी विषैले जीव ने उन्हें डंस लिया। डंसते ही उनकी हालत बिगड़ने लगी। परिजन उन्हें तत्काल प्रतापपुर कमैचा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, लेकिन वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही

पत्नी ममता बेसुध हो गईं और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पवन अपने पीछे पत्नी ममता और तीन मासूम बच्चों को छोड़ गए हैं। उनकी सबसे बड़ी बेटी पायल मात्र 9 वर्ष की है, दूसरी बेटी पलक की उम्र 5 साल और सबसे छोटा बेटा आयुष सिर्फ 3 साल का है। घर में वही अकेले कमाने वाले थे, ऐसे में परिवार की आर्थिक हालत बेहद खराब हो गई है। ग्रामीणों ने बताया कि पवन मिलनसार और मेहनती युवक थे। उनकी अचानक हुई मौत ने पूरे गांव को गहरे शोक में डुबो दिया है।

ट्रांसपोर्टरों की समस्याओं और धोपाप धाम के विकास हेतु रविन्द्र त्रिपाठी ने रखा पक्ष

सुलतानपुर (सब का सपना) आदित्य बरनवालः- भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश महामंत्री रविन्द्र त्रिपाठी ने आज लखनऊ में परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह से भेंट कर ट्रांसपोर्टरों की समस्याओं व धोपाप धाम (सुलतानपुर) के विकास से जुड़ी मांगों को विस्तार से रखा। उन्होंने क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों में फिटनेस के नाम पर हो रही अवैध वसूली व सड़कों पर ट्रांसपोर्टरों को अनावश्यक रूप से परेशान किए जाने पर गहरी चिंता जताई और पारदर्शी व्यवस्था

लागू करने की मांग की। इसके साथ ही श्री त्रिपाठी ने धोपाप धाम से प्रयागराज व अयोध्या के लिए इलेक्ट्रॉनिक एसी बस सेवा शुरू करने तथा धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण धोपाप धाम के समग्र विकास की भी माँग की। इस निवेदन पर सकारात्मक रुख दिखाते हुए परिवहन मंत्री श्री दयाशंकर सिंह ने न केवल ट्रांसपोर्ट से जुड़ी समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया, बल्कि धोपाप धाम के विकास हेतु पर्यटन मंत्री को पत्र लिखकर आवश्यक कार्यवाही करने का अनुरोध भी किया। इसके अतिरिक्त, त्रिपाठी ने टोल टैक्स की एकरूपता, पुराने वाहनों पर स्पष्ट नीति, और ट्रांसपोर्ट नगरों में सुविधाओं के विस्तार जैसे मुद्दों पर भी ध्यान आकर्षित कराया।

जनपद के थानों द्वारा पैदल गश्त करते हुए संदिग्धों की गयी चेकिंग-

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवालः- पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में, मिशन शक्ति नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन के दृष्टिगत महिलाओं व बालिकाओं में सशक्तिकरण व विश्वास का वातावरण तथा आमजनमानस में विश्वास व सुरक्षा का वातावरण बनाने के उद्देश्य से जनपद के थानों द्वारा पुलिस बल के साथ अपने-अपने थानाक्षेत्र में भीड़भाड़ एवं संवेदनशील स्थानों पर पैदल गश्त किया गया तथा विशेष चेकिंग अभियान चलाकर मुख्य मार्गों, हाइवे, चौराहों, रेलवे स्टेशन एवं शराब की दुकानों के आसपास संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनों की चेकिंग की गयी।

कलेक्ट्रेट सभागार में ई-ऑफिस कार्य प्रणाली पर अधिकारियों और कर्मचारियों को दिया गया प्रशिक्षण

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- जिले में शासन की मंशानुरूप सरकारी कार्यालयों को डिजिटलीकरण की दिशा में अग्रसर करते हुए आज कलेक्ट्रेट सभागार में ई-ऑफिस प्रणाली पर अधिकारियों और कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण जिलाधिकारी संजय चौहान के निर्देश पर आयोजित किया गया, जिसका संचालन जिला सूचना विज्ञान अधिकारी शिशिर सक्सेना एवं ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर अमित विश्वकर्मा द्वारा किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य सभी शासकीय कार्यालयों में ई-ऑफिस के माध्यम से पत्रावलियों का संचालन सुनिश्चित करना है, ताकि कार्यप्रणाली को पारदर्शी, तीव्रगामी एवं प्रभावी बनाया जा सके। प्रशिक्षण सत्र में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया और ई-ऑफिस से संबंधित तकनीकी पहलुओं, पत्रावलियों को

तैयार करना, उन्हें आगे फॉरवर्ड करना सहित अन्य डिजिटल पहलुओं पर विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान शिशिर सक्सेना ने ई-ऑफिस प्लेटफॉर्म की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि, "ई-ऑफिस प्रणाली सरकारी कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्धता सुनिश्चित करती है। इससे न केवल कार्यों में तेजी आती है, बल्कि फिजिकल फाइलों की आवश्यकता भी कम होती है जिससे पर्यावरण की दृष्टि से भी यह कदम लाभकारी है।" वहीं अमित विश्वकर्मा ने प्रशिक्षण में उपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों को लाइव डेमो के माध्यम से बताया कि किस प्रकार ई-ऑफिस का प्रयोग करके फाइलें चलाई जाती हैं, टिप्पणियां जोड़ी जाती हैं तथा उसे आगे संबंधित अधिकारी तक डिजिटल माध्यम से भेजा जाता है। उन्होंने प्रतिभागियों के प्रश्नों का भी समाधान किया। यह प्रशिक्षण न केवल प्रशासनिक कार्यों में तकनीकी सक्षमता बढ़ाने की दिशा में उपयोगी सिद्ध हुआ, बल्कि इससे जिले के सरकारी कार्यों में डिजिटल ट्रांजिशन को भी गति मिलेगी। आगामी दिनों में सभी कार्यालयों में ई-ऑफिस का पूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। जिलाधिकारी संजय चौहान ने सभी फाइलों का ई ऑफिस के माध्यम से संचालन करने हेतु जनपदीय अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं।

दुर्घटना में घायल खिलाड़ी आदित्य कश्यप के इलाज में आगे आईं दीदी स्मृति इरानी

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- गौरीगंज क्षेत्र के सराय भागमानी गांव निवासी युवा खिलाड़ी आदित्य कश्यप हाल ही में एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। फिलहाल उनका इलाज लखनऊ के कमांड अस्पताल में चल रहा है। आदित्य की स्थिति की जानकारी अमेठी की पूर्व सांसद एवं केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी को सोशल मीडिया के माध्यम से प्राप्त हुई। मामले को संज्ञान में लेते हुए उन्होंने जिला प्रशासन एवं भाजपा जिला अध्यक्ष सुधांशु शुक्ला को आवश्यक निर्देश दिए कि आदित्य के इलाज में किसी प्रकार की कमी न रहे और उसे हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाए। भाजपा प्रवक्ता चन्द्रमौलि सिंह ने जानकारी दी कि पार्टी की ओर से एक प्रतिनिधिमंडल आदित्य कश्यप के घर पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल

में भाजपा जिला अध्यक्ष सुधांशु शुक्ला, ब्लॉक प्रमुख उमेश सिंह, जिला उप क्रीड़ाधिकारी मोहम्मद मुशर्रफ खान एवं शमीम अहमद, भाजयुमो जिला अध्यक्ष विषुव मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य अभिषेक चंद्र कौशिक, मंडल अध्यक्ष अजय सिंह गौर, अरुण मिश्रा, राजा संतोष द्विवेदी (पूर्व मंडल अध्यक्ष) सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे। प्रतिनिधियों ने जिला खेल एवं प्रोत्साहन समिति की ओर से ड्ड25,000 की आर्थिक सहायता का चेक आदित्य के परिवार को सौंपा। साथ ही यह भी आश्वासन दिया गया कि आगे भी इलाज में किसी प्रकार की रुकावट नहीं आने दी जाएगी और भाजपा परिवार तथा प्रशासन पूरी तरह से सहयोग प्रदान करेगा। इस पहल की क्षेत्र में व्यापक सराहना की जा रही है। लोगों ने स्मृति ईरानी के संवेदनशील और त्वरित हस्तक्षेप की प्रशंसा की है, जिससे आदित्य कश्यप और उनके परिवार को संबल मिला है।

डीएम की अध्यक्षता में समीक्षा अधिकारी एवं सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा की तैयारियों के संबंध में हुई बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में 27 जुलाई 2025 को आयोजित होने वाली समीक्षा अधिकारी एवं सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा की तैयारियों के संबंध में बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी सेक्टर एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केन्द्र पर्यवेक्षक, केंद्र व्यवस्थापक निर्धारित प्रक्रियानुसार परीक्षा के सफल संचालन एवं परीक्षा को सकुशल, निर्विघ्न, निष्पक्षता एवं शुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए लगन, सजगता, आत्मानुशासन एवं समयबद्धता से सौंपे गये दायित्वों का निर्वहन करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा को पूरी पारदर्शिता के साथ नकलविहीन संपन्न करायी जाये। इसकी संवेदनशीलता, शुचिता एवं पारदर्शिता किसी भी स्तर पर भंग न हो, यदि कोई भंग करने का प्रयास करेगा तो उसके विरूद्ध कडी कार्यवाही की जाएगी। निधि गुप्ता वत्स ने कहा कि जनपद में काफी संख्या में अभ्यर्थियों का मूवमेंट होगा। किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसलिये अधिकारी समय रहते सभी तैयारियां पूर्ण कर लें। उन्होंने परीक्षा में महिला अभ्यर्थी भी शामिल होंगी, उनकी सुरक्षा के लिये विशेष प्रबंध किये जाने के निर्देश दिये। उन्होने कहा कि अभ्यर्थियों के साथ मधुर व्यवहार किया जाए। जिलाधिकारी ने सेक्टर एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेट को निर्देश दिए कि परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण करना सुनिश्चित करें ताकि कोई भी कमी ना रहे। इसके साथ ही कि परीक्षा केन्द्रों पर सीसीटीवी, विद्युत व्यवस्था, पेयजल, शौचालय एवं आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था भी सुनिश्चित कर लें। बीडीओ और ईओ को अपने क्षेत्र के परीक्षा केंद्रों के आसपास साफ सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होने कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने परीक्षा केन्द्र पर परीक्षा के दिन परीक्षा केन्द्रों पर निर्धारित समय से अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर आयोग के अनुदेशों के अनुरूप परीक्षा के दिन समस्त अपेक्षित कार्यवाही समय पर सम्पादित करेंगे। अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया ने बताया कि समस्त परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की ड्यूटी लगा दी गई है। अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए यातायात प्रबंधन की समुचित व्यवस्था की गई है। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व व परीक्षा के नोडल अधिकारी ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि समीक्षा अधिकारी एवं सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा जनपद में 24 परीक्षा केंद्रों पर संपादित होगी जिसमें 10,872 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा 27 जुलाई को एक सत्र में पूर्वान्ह 09:30 से अपरा 12:30 बजे तक होगी।

परीक्षा के लिए निर्धारित केन्द्र

ए0के0के0 इंटर कॉलेज बिजनौर रोड, हिल्टन कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल जोया रोड, आई0एम0 इंटर कॉलेज आजाद रोड निकट आर्य समाज मंदिर, जे0एस0 हिंदू इंटर कॉलेज स्टेशन रोड, कुंदन मॉडल इंटर कॉलेज निकट टीपी नगर चौराहा, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज टीपी नगर चौराहा, राजकीय इंटर कॉलेज निकट गांधी मूर्ति रेलवे स्टेशन रोड, सिख इंटर कॉलेज ग्राम नारंगपुर जोया एन एच 24, नेहरू स्मारक इंटर कॉलेज ग्राम राजबपुर, श्री राम किशन इंटर कॉलेज ग्राम बादशाहपुर नौगांव सादात, रमाबाई अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय रेलवे स्टेशन रोड गजरौला, ग्लोबल पब्लिक स्कूल कमलपुर काजी मंडी धनौरा, दिल्ली पब्लिक स्कूल निकट अतरासी रोड, श्री गांधी विद्यालय इंटर कॉलेज कंचन बाजार धनोरा, राष्ट्रीय इंटर कॉलेज मौ0 महादेव निकट रामलीला मैदान थाना रोड धनौरा, ज्ञान भारती इंटर कॉलेज थाने के पीछे बस्ती रोड गजरौला, शिव इंटर कॉलेज स्टेशन रोड गजरौला, जेएस हिंदू महाविद्यालय ब्लॉक ए आजाद रोड निकट अंबेडकर पार्क, तुर्की इंटर कॉलेज जोया संभल रोड, ब्लू बर्ड इंटरनेशनल स्कूल अमरोहा रोड निकट वेव शुगर मिल मंडी धनौरा, जेएस हिंदू महाविद्यालय ब्लॉक बी आजाद रोड निकट अंबेडकर पार्क, किसान इंटर कॉलेज हसनपुर अतारासी अमरोहा मार्ग ताहरपुर, भगवती सरन इंटर कॉलेज दिल्ली रोड जोया, ए0एस0एम0 मॉडर्न एकेडमी ग्राम खाता पोस्ट पपसरा अमरोहा। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 सत्यपाल सिंह, जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ0 प्रवेश कुमार, वरिष्ठ कोषाधिकारी अशोक राव गौतम, लोक सेवा आयोग के सदस्य हरीश मौर्य एवं सुनील कुमार, सेक्टर व स्टेटिक मजिस्ट्रेट और केन्द्र व्यवस्थापक सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

दिल्ली सरकार का बड़ा एलान, ओलंपिक में गोल्ड जीतने वाले को मिलेंगे 7 करोड़; हरियाणा को भी पछाड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली में अब ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता को सात करोड़, रजत पदक विजेता को पांच करोड़ और कांस्य पदक विजेता को तीन करोड़ रुपये मिलेंगे। अब तक हरियाणा पुरस्कार राशि देने के मामले में सबसे आगे था, जहां स्वर्ण पदक विजेता को छह करोड़, रजत पदक विजेता को चार करोड़ और कांस्य पदक विजेता को ढाई करोड़ रुपये दिए जाते हैं।

सीबीआई कोर्ट ने घूसकांड में आरोपी एमसीडी क्लर्क को दी जमानत, जानिए क्या है पूरा मामला?

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश की अदालत ने रिश्वतखोरी के मामले में गिरफ्तार किए गए दिल्ली नगर निगम के जूनियर सचिवालय सहायक (जेएसए) अरुण कुमार को नियमित जमानत दे दी है। अदालत ने आरोपित अरुण कुमार को 50 हजार रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि की एक जमानती पर जमानत दे दी। अदालत ने माना कि जांच में आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए जा चुके हैं, आरोपी का फरार होने या साक्ष्य से छेड़छाड़ करने की आशंका कम है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, अरुण कुमार समेत अन्य सह-आरोपितों पर शिकायतकर्ता से 50 हजार रुपये की रिश्वत मांगने और वसूली करने का आरोप है। शिकायतकर्ता की दुकानें तिमारपुर ट्रक पार्किंग क्षेत्र में स्थित थीं, जिन्हें नगर निगम ने सील कर दिया था। इन दुकानों को फिर से चालू करवाने के लिए रिश्वत मांगी गई थी। सीबीआई ने इस शिकायत की पुष्टि के बाद 20 जून को ट्रैप कर के कार्रवाई की, जिसमें अरुण कुमार, एमसीडी अधिकारी योगेश कुमार और एक निजी व्यक्ति रवि कुमार को रंगे हाथों पकड़ा गया। रवि कुमार के पास से 40 हजार रुपये की रिश्वत की रकम बरामद हुई। अरुण कुमार के अधिवक्ता ने दलील दी कि उनके मुवक्किल का नाम प्राथमिकी में नहीं है और उनके खिलाफ कोई प्रत्यक्ष सुबूत नहीं मिला। अधिवक्ता ने यह भी दलील दी कि वह तिमारपुर वार्ड के प्रभारी नहीं थे, जहां शिकायतकर्ता की दुकानें स्थित हैं।

दिल्ली में बड़े इवेंट करना होगा आसान, डिजिटल सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम की होगी शुरूआत

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली अब केवल सत्ता का केंद्र ही नहीं बल्कि रचनात्मकता का नया माइलस्टोन बनने की राह पर अग्रसर है। कला, संस्कृति, फिल्म, संगीत, फैशन डिजाइनिंग, साहित्य इत्यादि में नवाचार के हर आयाम को सशक्त मंच देने के साथ ही लाइव इवेंट्स, मनोरंजन और डेस्टिनेशन वेडिंग के उद्देश्य से दिल्ली सरकार ग्लोबल इवेंट हब की अवधारणा को साकार रूप देने में जुटी है। इसी क्रम में सोमवार को दिल्ली सचिवालय में पर्यटन, कला, संस्कृति और भाषा मंत्री कपिल मिश्रा ने विभागीय अधिकारियों के साथ ही इवेंट मैनेजमेंट कंपनियों के दिग्गजों के साथ एक उच्चस्तरीय राउंड टेबल बैठक की। स्मारक परिसर में इस तरह के इवेंट में मिलेगी अनुमति इस चर्चा का मुख्य उद्देश्य दिल्ली के लिए पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के आधार एक सांस्कृतिक और संभावनाओं से भरा हुआ नीतिगत ढांचा तैयार करना था, जिसमें राजधानी दिल्ली को एक ग्लोबल इवेंट हब के रूप में मजबूती से स्थापित की जा सके। बैठक में दिल्ली में इवेंट इंडस्ट्री को और अधिक सशक्त व संगठित करने के लिए कई महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। इसमें डिजिटल सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम की शुरूआत का प्रस्ताव रखा गया जिससे आयोजकों को सभी प्रकार की अनुमतियां और लाइसेंस एक ही डिजिटल मंच पर शीघ्रता से प्राप्त हो सकें। इस पर मंत्री ने कहा कि डिजिटल सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम की जल्द शुरूआत होगी। साथ ही मल्टी-प्लेटफार्म स्पान्सरशिप मॉडल, रणनीतिक पूंजी सब्सिडी कार्यक्रम को प्रोत्साहन देने के लिए वित्तीय और विपणन (मार्केटिंग) सहयोग जैसे कदमों पर भी चर्चा हुई। राउंड टेबल बैठक में एक और अहम सुझाव पर भी चर्चा हुई जिसमें डेस्टिनेशन वेडिंग उद्योग को बढ़ावा देने के लिए जीएसटी छूट संबंधी नीतियों पर पर भी विचार हो।

नशे की लत और होटल का खर्च पूरी करने के लिए करते थे लूटपाट, 2 आरोपी गिरफ्तार

पश्चिमी दिल्ली। रणहौला थाना पुलिस ने लूटपाट करने वाले दो ऐसे आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जो नशे की लत व होटलों का खर्च पूरा करने के लिए वारदात अंजाम देते थे। वारदात अंजाम देने में ये जिस मोटरसाइकिल का इस्तेमाल करते थे, उसे भी यह लोग या तो चुराते या फिर लूटते थे। हाल ही में इन्होंने रणहौला में एक शख्स को निशाना बनाया और हथियार के दम पर उनसे 20 हजार रुपये लूट लिए। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 17 जुलाई रणहौला थाना में एक पीसीआर काल प्राप्त हुई, जिसमें गुरुदयाल विहार, बक्करवाला रोड के पास सरकारी स्कूल के नजदीक चाकू की नोक पर मोबाइल फोन और 20,000 रुपये की लूट की सूचना दी गई। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए थाना प्रभारी इंस्पेक्टर नरेंद्र सिंह व एसीपी नरेश कुमार सोलंकी की देखरेख में एक टीम का गठन किया गया। वीडियो कॉल ने आरोपितों की पहचान को किया उजागर पुलिस टीम ने अपराध स्थल के आसपास के क्षेत्रों से सीसीटीवी फुटेज का सूक्ष्म विश्लेषण किया। इस बीच शिकायतकर्ता की बहन ने चोरी किए गए मोबाइल नंबर पर वीडियो काल किया, जिसे संयोगवश आरोपितों ने उठा लिया। बातचीत के दौरान, उसने उनके स्क्रीनशाट ले लिए। इसके बाद, संदिग्ध व्यक्तियों के स्क्रीनशाट का गहन विश्लेषण किया गया और आगे की जानकारी विकसित की गई। साथ ही, सूत्रों का स्थानीय नेटवर्क सक्रिय किया गया ताकि ठोस जानकारी प्राप्त की जा सके। बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल पर चलना पड़ा महंगा 20 जुलाई इलाके में नियमित गश्त के दौरान पुलिसकर्मियों ने नाला रोड बक्करवाला में बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध व्यक्तियों को देखा। जब उन्हें रुकने का इशारा किया गया, तो दोनों ने तेजी से भागने की कोशिश की। सतर्क कर्मचारियों ने तुरंत पीछा किया और मोटरसाइकिल को रोक लिया। इनकी पहचान हर्ष और आशीष के रूप में हुई। व्यक्तिगत तलाशी के दौरान हर्ष के कब्जे से एक बटन वाला चाकू बरामद किया गया। आशीष से एक पिस्टल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। आगे की जांच में पता चला कि मोटरसाइकिल चोरी की है। आरोपितों ने पुलिस को बताया कि वे चोरी की मोटरसाइकिलों का उपयोग लूटपाट और झपटमारी के लिए करते थे। उनकी कार्यप्रणाली में पहले मोटरसाइकिल चोरी करना, फिर अकेले लक्ष्य को चुनना और चाकू की नोक पर या पिस्टल दिखाकर लूटना शामिल था। लूटी गई रकम का उपयोग मुख्य रूप से उनकी नशे की लत को पूरा करने के लिए किया जाता था। इसके अलावा, वे लग्जरी लाइफस्टाइल के लिए अक्सर ओयो होटलों में ठहरते थे।

यमुना के डूब क्षेत्र में अतिक्रमण पर लगेगी लगाम, 11 कैएम लंबे हिस्से में स्टील की बाड़ लगाएगा डीडीए

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) वजीराबाद बैराज से आईटीओ बैराज तक यमुना के डूब क्षेत्र के 11 किमी लंबे हिस्से में स्टील की बाड़ लगाएगा। ऐसा इसलिए पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र को अतिक्रमण से बचाया जा सके। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। 18 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना को चयनित ठेकेदार द्वारा चार महीनों के भीतर पूरा किया जाएगा। यह पहल नदी के डूब क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त करने और संरक्षित करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है। इस वर्ष अप्रैल में, डीडीए ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) को सूचित किया था कि उसने जनवरी और अप्रैल के बीच यमुना वनस्थली परियोजना के तहत 24 एकड़ अतिक्रमित भूमि को मुक्त करा लिया है। डीडीए के एक अधिकारी ने कहा, "यह बाड़ यमुना वाटिका, असिता और पूर्वी तथा पश्चिमी दोनों तटों पर अन्य खाली पड़े क्षेत्रों जैसे पुनर्स्थापित क्षेत्रों को सुरक्षित करेगी। इसके लिए एक निविदा जारी की गई है। पिछले दो वर्षों में, यमुना के डूब क्षेत्र में कई मनोरंजक स्थल विकसित हुए हैं, जिनमें पार्क और कैफे शामिल हैं। ये सभी डीडीए द्वारा वजीराबाद बैराज से शुरू होकर ओखला बैराज तक नदी के 22 किमी लंबे हिस्से में विकसित किए गए हैं। असिता पूर्व और पश्चिम तथा कालिंदी अविरल, जिनमें बांसेरा पार्क, वासुदेव घाट, अमृत जैव विविधता पार्क और राजघाट के पास यमुना वाटिका शामिल हैं, जिनका कुल क्षेत्रफल 740 हेक्टेयर है। यमुना वनस्थली परियोजना, पूर्वी तट पर यमुना के डूब क्षेत्र के पुनरुद्धार की परियोजनाओं में से एक है, जो वजीराबाद बैराज से सराय काले खां आईएसबीटी पुल तक 236.5 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली हुई है। डीडीए यमुना के डूब क्षेत्र में अपने सभी मौजूदा और आगामी पार्कों को आपस में जोड़ने की भी योजना बना रहा है।

युवती के साथ बाइक पर घूम रहा था छात्र, रास्ता रोक कर धारदार हथियार से किया हमला

पूर्वी दिल्ली। पांडव नगर इलाके में युवती के साथ बाइक पर घूम रहे छात्र पर धारदार हथियार से हमला करने का मामला सामने आया है। आरोपित ने पहले उनका रास्ता रोका और फिर वारदात को अंजाम दिया। घायल हालत में हर्ष भाटी को इलाज के लिए लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में भर्ती करवाया। पांडव नगर थाना पुलिस ने रविवार को उसकी शिकायत पर हत्या के प्रयास की धारा में अक्षत शर्मा नाम के युवक के खिलाफ केस दर्ज किया है। हर्ष परिवार के साथ पांडव नगर इलाके में रहता है। वह गौतमबुद्ध में एक विश्वविद्यालय से एलएलबी कर रहा है। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि वह बाइक से अपनी महिला दोस्त के साथ एनएच-नौ से होते हुए अपने घर जा रहा था। पांडव नगर क्षेत्र में उसे अक्षत शर्मा नाम के युवक ने घेर लिया। धारदार हथियार से उसकी गर्दन व हाथ पर वार कर दिया। मौके पर भीड़ जुटने पर आरोपित फरार हो गया। पीड़ित ने अपनी दोस्त के जरिये वारदात की सूचना अपने स्वजन को दी। आरोपित की तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है। पुलिस के मुताबिक, आरोपित भी उसी विश्वविद्यालय में पढ़ता है, जहां पीड़ित पढ़ रहा है। युवती के चक्कर में उसने वारदात की।

पूर्वी वाली प्रेमिका के साथ दरोगा इंदौर से गिरफ्तार, 50 लाख रुपये से जुड़ा है मामला

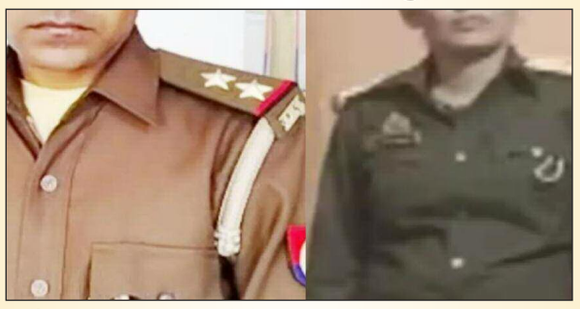

पूर्वी दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिले के साइबर थाने का फरार एसआई अंकुर मलिक अपनी प्रेमिका एसआई के साथ इंदौर से गिरफ्तार किया गया। उत्तर पूर्वी जिला पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बताया हया कि एसआई अंकुर मलिक ठगों के बैंक खातों में पुलिस द्वारा फ्रीज करवाई गई 50 लाख रुपये से अधिक की रकम लेकर मार्च में फरार हो गया था। अपने साथ दिल्ली पुलिस की एक महिला एसआई को भी ले गया था। यह महिला शादीशुदा है और इसका पति मंडोली जेल में तैनात है।

भाकियू शंकर ने मांसाहारी दूध व डेयरी पदार्थों के आयात को लेकर किया विरोध-प्रदर्शन, प्रधानमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा

अमरोहा (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (शंकर) के सैकड़ों कार्यकताओं ने मंगलवार को अमरोहा कलेक्ट्रेट पर विशाल धरना-प्रदर्शन किया। अमेरिका द्वारा भारत में मांसाहार दूध व अन्य डेयरी उत्पादों के आयात को लेकर संगठन के कार्यकताओं व किसानों ने भारी विरोध जताते हुए इस फैसले के खिलाफ एक बड़े आंदोलन की चेतावनी भी दी है। इस दौरान जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को सम्बोधित एक ज्ञापन भी सौंपा गया। भाकियू शंकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि देश भर का किसान व जनता अमेरिका के साथ मांसाहारी दूध को लेकर होने वाली समझौता बैठक के विरोध में है। किसानों और ग्रामीणों की खुली चेतावनी है कि, यदि भारत सरकार अमेरिका के आगे झुक कर किसी भी प्रकार के दूध, डेयरी या कृषि उत्पादों के आयात का समझौता करती है, तो इस देश का किसान अपनी गायों को ले जाकर संसद भवन में बांधने के लिएं मजबूर हो जाएगा। अमेरिका द्वारा भारत सरकार पर नॉनवेज दूध के आयात के लिए दबाव बनाया जा रहा है, क्योंकि वह अपने डेयरी उत्पादों को भारतीय बाजार में बेचना चाहता है। नॉनवेज मिल्क वह दूध होता है जो सूअर, मछली, मुर्गी, गाय, बैल, घोड़े, यहां तक कि कुत्ते-बिल्लियों के मांस और खून को सुखाकर बनाए गए चूर्ण को पशुचारे में मिलाकर गायों को खिलाकर लिया जाता है। हालांकि भारत सरकार ने पिछली दो बैठकों में ये समझौता करने से इंकार कर दिया है, लेकिन अमेरिका ने भारत को 1 अगस्त की समय सीमा दी है, जिसके बाद वह भारत पर 26% तक का टैरिफ लगा सकता है। इसीलिए आशंका है कि इस दबाव में आकर सरकार ये समझौता भी कर सकती है या शर्तों में यह चालाकी हो सकती है कि नॉनवेज मिल्क नहीं लेंगे, शाकाहारी दूध व शाकाहारी डेयरी उत्पाद ले लेंगे। यदि एक बार वहां से दूध आना आरम्भ हो गया तो फिर मांसाहारी दूध भी आएगा ही आएगा। यदि अमेरिका का दूध यहां पर आ गया तो फिर हमारे किसान पशुपालन भी नहीं कर पाएंगे, क्योंकि अमेरिका का दूध सस्ते में आएगा और मांस के कारण उसमें घी भी अधिक निकलेगा। फिर यहां के किसानों के दूध को डेयरी भी नहीं लेंगी। इसका कारण यह है कि अमेरिका वालों की आय तो पशु मांस से होती है, मांसाहारी दूध तो उनके लिए अतिरिक्त है, अब इसे भारत को सस्ते में बेचकर भी जो कुछ धन मिलेगा, वह तो उनके लिए बोनस ही होगा। और फिर, न केवल दूध, दूध पाउडर आएगा, बल्कि मावा, पनीर, मिठाइयां यानी सारे डेयरी उत्पाद आएंगे। इससे भारत की धर्म संस्कृति तो नष्ट होगी ही, साथ ही डेयरी उद्योग, हलवाई और किसान सब के सब एक झटके में बर्बाद हो जाएंगे। भारत में पशुपालन और खेती एक दूसरे के पूरक हैं, पशुपालन बन्द होगा तो खेती - किसानी भी अपने आप ही बर्बाद हो जाएगी। भारत में आधी से अधिक यानी 50 करोड़ से अधिक जनता इन्हीं से अपना जीवन यापन करती है। गाय व सुअर के मांस के कारण धर्म तो सभी का नष्ट होगा। इसलिए हमारी मांग है कि कृषि या दूध उत्पादों के लिए भारत सरकार द्वारा समझौता बैठक ही न हो, हम अपना दूध और अन्न उत्पादन करने में सक्षम हैं। एसबीआई के एक सर्वेक्षण व विश्लेषण के अनुसार यदि यह समझौता होता है तो भारत के घरेलू बाजार में दूध की कीमतें लगभग 20 से 25% गिर जाएंगी, जिस कारण सालाना लगभग लाखों करोड रुपए से ज्यादा का नुकसान भारत के किसानों को होने की संभावना है, क्योंकि पशुधन व दुग्ध उत्पादन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानी जाती है ।यदि भारत सरकार अमेरिका के साथ यह समझौता करती है तो सरकार यह सुनिश्चित करें कि भारतीय किसान व दुग्ध उद्योग किसी भी प्रकार से प्रभावित नहीं होगा। यदि भारत सरकार द्वारा यह समझौता हुआ तो आयातित दुग्ध व डेरी उत्पादन भारतीय उत्पादन की तुलना में बहुत कम दामों पर मिलने से किसानों व घरेलू डेयरी उत्पादकों पर भी गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। अगर ये समझौता होता है तो फिर देश भर का किसान मजबूर होकर अपनी गायों को संसद भवन में बांधने का काम करेगा। जिसकी पूर्ण रूप से जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। इस दौरान चौधरी धर्मवीर सिंह,नेमपाल सिंह,विक्रम सिंह पंवार,महिपाल सिंह,कमल सिंह, चमन, चंद्रपाल, जयविन्दर ,रमेश, नारायण सिंह,पंकज कुमार,जितेंद्र चौहान,नईम,हरपाल सिंह, राकेश, रतनपुर, देवेंद्र, सतेंद्र, संजीव, मनोज, गुरवचन, रागिब, सत्यवीर सिंह, जरीना रानी, सुनीता देवी,अशोक चौधरी, मंजू चौधरी, बबिता, रीना, गजराम सिंह चौहान, जगत सिंह चौहान,चंद्रभान सैनी,सुरेंद्र सिंह, समरपाल सिंह, अनिल भटनागर, ओमवीर सिंह यादव व सुधीर चौहान समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सफदरजंग में कैंसर मरीजों को मिलेगा बेहतर इलाज, अब सीटी सिम्युलेटर से होगी रेडिएशन की प्लानिंग

नई दिल्ली। कैंसर सहित विभिन्न बीमारियों के इलाज में अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल बढ़ रहा है। इससे डॉक्टरों का काम आसान होने के साथ-साथ इलाज का परिणाम बेहतर हुआ है। इस बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सफदरजंग अस्पताल में अभी कैंसर मरीजों को रेडिएशन थेरेपी देने के लिए डॉक्टर मैनुअल तरीके से ही इलाज की प्लानिंग करते रहे हैं। इस समस्या के समाधान के लिए अब सफदरजंग अस्पताल में एक सीटी सिम्युलेटर व एक एक्सरे सिम्युलेटर मशीन लग गई है। इसलिए बहुत जल्दी ही इस अस्पताल में भी डॉक्टर एक्सरे व सीटी सिम्युलेटर मशीन की मदद से कैंसर मरीजों को रेडिएशन थेरेपी देने की प्लानिंग कर सकेंगे। इससे कैंसर मरीजों को बेहतर इलाज मिल पाएगा। साथ ही रेडिएशन के दुष्प्रभाव की आंशका कम होगी, लेकिन इस अस्पताल में अत्याधुनिक रेडियोथेरेपी मशीन के लिए अभी मरीजों को उन्हें थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा। अस्पताल में रेडियोथेरेपी की दो अत्याधुनिक लीनियर एक्सीलेटर मशीन लगाने की प्रक्रिया चल रही है। एक हाई एनर्जी लीनियर एक्सीलेटर लगाने के लिए टेंडर प्रक्रिया काफी पहले पूरी हो चुकी है। इसलिए पिछले वर्ष अप्रैल में बंकर बनाने का काम भी शुरू हो गया था।

भारतीय टीम ओल्ड ट्रेफर्ड में जीत दर्ज कर सीरीज में वापसी के इरादे से उतरेगी

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारतीय टीम यहां के ओल्ड ट्रेफर्ड मैदान पर बुधवार से इंग्लैंड के खिलाफ शुरु हो रहे चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत हासिल कर सीरीज में वापसी करने के इरादे से उतरेगी। अभी भारतीय टीम इस सीरीज में 1-2 से पीछे है। आंकड़ों पर नजर डाले तो इस मैच में भारतीय टीम की राह आसान नहीं रहेगी क्योंकि उसे यहां आज तक एक भी जीत नहीं मिली है। इस मैदान पर भारतीय टीम ने अभी तक नौ मैच खेले हैं जिनमें से चार में उसे हार का सामना करना पड़ा जबकि बाकी पांच मैच ड्रॉ रहे। भारतीय टीम के कई खिलाड़ी चोटिल होने के कारण इस मैच से बाहर है जिसका नुकसान भी उसे उठाना पड़ेगा हालांकि इसके बाद भी टीम जीत दर्ज करने के लिए कोई कसर नहीं रखेगी। युवा कप्तान शुभमन गिल और उनकी टीम का लक्ष्य इस मैदान पर पहली जीत दर्ज कर इससे जुड़े हार के मिथक को तोड़ना रहेगा। इसके लिए टीम को अपनी रणनीति में भी थोड़ा बदलाव करना होगा। लीड्स में पहले टेस्ट के बाद भारत ने अंतिम एकादश में तीन ऑलराउंडरों को शामिल किया था। इनमें नीतीश रेड्डी भी शामिल थे, जो घुटने की चोट के कारण अब इस मैच और सीरीज से ही बाहर हो गए हैं। ऐसे में टीम को उनकी कमी पूरी करनी होगी। वहीं रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर जैसे दो स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर के रहने से भारतीय टीम के पास आठवें नंबर तक बल्लेबाज़ी रहेगी। इंग्लैंड वर्तमान श्रृंखला में अभी 2-1 से आगे चल रहा है और अगर भारत को पांच मैच की इस सीरीज में अपनी उम्मीदें बनाये रखनी हैं तो उसे यहां जीत हासिल करनी होगी।

सीरीज का पहला टेस्ट मैच खेलने वाले अनुभवी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को इस मैच में रेड्डी की जगह अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है हालांकि इस बार उनकी बल्लेबाजी लय में नजर नहीं आ रही। अगर उन्हें टीम में लिया जाता है तो उन्हें गेंदबाज़ी में भी अपना प्रदर्शन बेहतर करना होगा क्योंकि रेड्डी ने लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट में दबाव के बीच में विकेट लिए थे। भारतीय टीम इस मैच में लीड्स के संयोजन को एक बार फिर आजमा सकती है, जिसमें उसके पास जडेजा के रूप में केवल एक स्पिनर था और छठे नंबर तक विशेषज्ञ बल्लेबाज थे, जिसमें बल्लेबाज करुण नायर और साई सुदर्शन को भी अंतिम ग्यारह में जगह मिली थी। इसके अलावा प्रसिद्ध कृष्णा और कवर के तौर पर शामिल नए तेज़ गेंदबाज़ अंशुल कंबोज को भी अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है। अगर आकाश दीप कमर की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाते हैं, तो इनमें से कोई भी उनकी जगह ले सकता है।

आकाश की तरह ही कंबोज भी तेज

गेंदबाजी करते हैं। वह भारत ए के इंग्लैंड दौरे का भी हिस्सा थे और इस तरह से यहां के हालातों को जानते हैं। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज का अंतिम एकादश में जगह बनाना तय है। लॉर्ड्स में भारतीय बल्लेबाज असफल रहे थे, इसलिए अगर टीम को वापसी करनी है तो कप्तान शुभमन और अन्य बल्लेबाजों को बड़ी पारियां खेलनी होंगी। इस मैच में बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर से सावधान रहना होगा। आर्चर ने चार साल बाद वापसी करते हुए यशस्वी को दो बार आउट किया। इसके अलावा इस सीरीज में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे केएल राहुल को ये सिलसिला बनाये रखना होगा। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी अपनी उंगली की चोट से पूरी तरह उबर चुके हैं जो टीम के लिए राहत की बात है।

इस मैच में अगर करुण नायर को एक और मौका मिलता है, तो वह बड़ी पारी खेलने के लिए पूरी ताकत लगा देंगे। वहीं इस सीरीज में जबरदस्त प्रदर्शन कर लगातार चार अर्धशतक लगाने वाले जडेजा के ऊपर इस मैच में भी बड़ी जिम्मेदारी रहेगी। उन्हें इस मैच में गेंदबाजी में भी विकेट लेने होंगे। भारतीय टीम ने इस मैदान पर अंतिम बार साल 2014 में खेला था। वहीं दूसरी ओर मेजबान टीम इंग्लैंड इस मैच में अपनी बढ़त बनाये रखना चाहेगा। मेजबान टीम ने अपनी टीम में केवल एक बदलाव के तौर पर स्पिनर शोएब बशीर की जगह लियाम डॉसन को शामिल करना है। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने इंग्लैंड के लिए अपना आखिरी मैच जुलाई 2017 में खेला था। यहां पिछले दिनों से हो रही बारिश के कारण पिच से तेज गेंदबाजों को सहायता मिल सकती है। मेजबान टीम की बल्लेबाज जो रुट , हैरी ब्रुक और बेन डेकेट पर आधारित रहेगी जबकि गेंदबाजी की कमान आर्चर के अलावा ब्रायडन कार्स और क्रिस वोक्स के पास रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत: शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, कुलदीप यादव, अंशुल कंबोज।

इंग्लैंड : बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप (उप-कप्तान), जो रूट, हैरी ब्रुक, जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), लियाम डॉसन, क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर।

बीसीसीआई के एसीसी बैठक के बहिष्कार से एशिया कप पर खतरा मंडराया

-पीसीबी को होगा भारी नुकसान

मुम्बई (एजेंसी)। इस साल होने वाले एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट को लेकर संशय बना हुआ है। इस कारण ये है कि 24-25 जुलाई को ढाका में होने वाली एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की सालाना आम बैठक (एजीएम) होनी है पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसमें भाग लेने से इंकार कर दिया है। श्रीलंका और अफगानिस्तान बोर्ड भी इस बैठक से दूर रहेंगे। बीसीआई ने इस बैठक को बांग्लादेश में कराने का विरोध किया था क्योंकि बांग्लादेश में पिछले साल शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद से हालात ठीक नहीं है। वहीं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की धड़कने बढ़ी हुई हैं। इसका कारण है कि एशिया कप के रद्द होने या स्थगित होने प उसे मोट नुकसान होगा।

पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी इस समय एसीसी के चेयरमैन हैं। ऐसे में इस टूर्नामेंट से होने वाली आय से उसे काफी फायदा होता है। इस टूर्नामेंट की अनुमानित आय लगभग 1.16 अरब पाकिस्तानी रुपये है, जो वित्तीय वर्ष के लिए उसकी कुल अनुमानित आय 8.8 अरब पाकिस्तानी रुपये का हिस्सा है। एक रिपोर्ट के अनुसार इसका एक बड़ा हिस्सा पाकिस्तान को आईसीसी वितरण से मिलता है, कई सालों से एशिया कप उनकी वित्तीय योजनाओं का एक प्रमुख आधार बना हुआ है।

पीसीबी के सीईओ सुमैर अहमद ने सिंगापुर में आईसीसी की सालाना बैठक में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व किया और उन्होंने ढाका की इस बैठक के लिए अन्य देशों से सहयोग मांगा था पर बीसीसीआई ने बैठक में शामिल होने से मना कर दिया था। बीसीसीआई के इस रुख का समर्थन श्रीलंका और अफगानिस्तान ने भी कर दिया है। ऐसे में अगर यह बैठक नहीं हो पाती है या इसे अमान्य घोषित कर दिया जाता है, तो इससे 10 से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले एशिया कप शायद ही हो पाये। जिसका सीधा नुकसान पीसीबी को होगा।

करुण नायर 2025-26 के घरेलू सत्र के लिए कर्नाटक लौटने को तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर मौजूद करुण नायर, कर्नाटक लौटने के लिए तैयार हैं। रिपोर्ट के अनुसार पिछले तीन सीजन खेलने के बाद से वे कर्नाटक से बाहर हैं। पिछले दो सीजन से नायर विदर्भ के साथ थे। उन्हें सोमवार शाम विदर्भ क्रिकेट संघ से अनापत्ति प्रमाण पत्र (ह्हष्ट) मिल गया, जिससे उन्हें अपनी मूल राज्य टीम का प्रतिनिधित्व करने की अनुमति मिल गई।

नायर की वापसी ऐसे समय में हो रही है जब घरेलू क्रिकेट में उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन की बदौलत उनकी लोकप्रियता में काफी वृद्धि हुई है। पिछले सीजन में विदर्भ के रणजी ट्रॉफी खिताब जीतने में उनकी अहम भूमिका रही थी, जिसकी बदौलत आठ साल के अंतराल के बाद उन्हें भारतीय टेस्ट टीम में वापसी मिली। उन्होंने 16 पारियों में 53.93 की औसत से 863 रन बनाए जिसमें चार शतक शामिल थे, जिसमें केरल के खिलाफ फाइनल में मैच जिताऊ शतक भी शामिल था। नायर ने विजय हजारे ट्रॉफी में भी रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया। 50 ओवर के टूर्नामेंट के दौरान उन्होंने विदर्भ की कप्तानी की और टीम को उपविजेता बनाया।

उन्होंने आठ पारियों में 779 रन बनाकर स्कोरिंग चार्ट में शीर्ष स्थान हासिल किया जिसमें लगातार 5 शतक शामिल थे और 124.01 की शानदार बल्लेबाजी औसत के साथ बल्लेबाजी की। अपने शानदार प्रदर्शन के दौरान उन्होंने बिना आउट हुए सर्वाधिक रन (542) बनाने का नया लिस्ट ए रिकॉर्ड बनाकर अपनी उपलब्धि में एक और उपलब्धि जोड़ ली।

आईसीसी रैंकिंग : स्मृति मंधाना शीर्ष पर बरकरार, दीप्ति 10 स्थान के सुधार के साथ 23वें पायदान पर

दुबई (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा एकदिवसीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत की दीप्ति शर्मा बल्लेबाजों में 10 स्थानों की छलांग लगाकर 23वें स्थान पर पहुंच गई हैं, जबकि सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने मंगलवार को जारी नवीनतम आईसीसी रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। श्रृंखला के शुरुआती दो मैचों में शानदार प्रदर्शन से इंग्लैंड और भारत के खिलाड़ियों को इस रैंकिंग में फायदा हुआ है।

दीप्ति ने शुरुआती एकदिवसीय में नाबाद 62 रन की पारी के साथ टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका अदा की थी। उन्होंने इसके बाद दूसरे एकदिवसीय में भी नाबाद 30 रन का योगदान दिया। सोफिया डंकले ने पहले वनडे में 92 गेंदों पर 83 रन बनाकर इंग्लैंड को एक मजबूत स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई, जिससे उन्हें 24 स्थानों का फायदा हुआ। वह बल्लेबाजों की सूची में 52वें पायदान पहुंच गईं।

मंधाना पहले दो मैचों में 28 और 42 के स्कोर के साथ रैंकिंग में शीर्ष पर बनी हुई हैं और उन्होंने अपनी 727 की रेटिंग भी बरकरार रखी है। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर 17 और सात के स्कोर के बाद पांच स्थान फिसलकर 21वें स्थान पर आ गई हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज सोफी एक्लेस्टोन अपनी स्थिति और मजबूत करने में सफल रही। मौजूदा श्रृंखला में चार विकेट चटकाने वाली इस अनुभवी खिलाड़ी की रेटिंग 747 से बढ़कर 776 हो गयी है। वह दूसरे वनडे में तीन विकेट चटकाकर प्लेयर ऑफ द मैच भी बनी थी।

गेंदबाजों की रैंकिंग में उनके बाद ऑस्ट्रेलिया की एशले गार्डनर (724) और मेगन शुट्ट (696) दूसरे और तीसरे पायदान पर है।। दीप्ति चौथे स्थान पर बनी हुई हैं। इंग्लैंड की चार्ली डीन और भारत की स्नेह राणा जैसी स्पिनरों भी श्रृंखला में अच्छी गेंदबाजी कर तीन-तीन विकेट लिए हैं। डीन करियर की सर्वश्रेष्ठ 625 रेटिंग के साथ दो स्थान चढ़कर नौवें नंबर पर पहुंच गई हैं, जबकि राणा 12 स्थान ऊपर चढ़कर 21वें नंबर पर आ गई हैं। राणा ने भी व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 515 रेटिंग हासिल की है। डीन हरफनमौला खिलाड़ियों की सूची में भी सुधार कर संयुक्त रूप से 14वें स्थान पर पहुंच गई हैं तो वहीं एक्लेस्टोन तीन स्थान के

सुधार के साथ 18वें पायदान पर पहुंच गयी है।

इंजीनियर और लॉयड के सम्मान में ओल्ड ट्रैफर्ड में बने स्टैंड

मैनचेस्टर। यहां भारत और इंग्लैंड के बीच यहां बुधवार से शुरु हो रहे चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज फारुख इंजीनियर और वेस्टइंडीज के दिग्गज खिलाड़ी रहे क्लाइव लॉयड के सम्मान में इनके नाम से स्टैंड रहेंगे। इंजीनियर और लॉयर्ड की पूर्व काउंटी टीम लंकाशर ने इन दोनों के नाम पर स्टैंड रखने का फैसला किया है। इंजीनियर ने लगभग एक दशक तक लंकाशर की ओर से जबकि लॉयर्ड ने लगभग दो दशक तक क्लब से खेलते हुए अपनी ओर से अहम योगदान दिया। गौरतलब है कि साल 1968 से 1976 के बीच 87 वर्षीय इंजीनियर ने 175 मैचों में लंकाशर की ओर से 5942 रन बनाए, 429 कैच लिए और 35 स्टंपिंग की। वहीं दूसरी ओर दो बार विश्व कप जीतने वाली वेस्टइंडीज की टीम के कप्तान लॉयड ने 1970 के दशक की एक क्लब की ओर से खेलते हुए उसे आगे बढ़ाया। मुंबई में जन्मे इंजीनियर ने लंकाशर के लिए जब पदार्पण किया तो क्लब ने 15 साल से अधिक समय तक कोई बड़ा खिताब नहीं जीता था पर उनके शामिल होने के बाद उसने 1970 से 1975 के बीच चार बार जिलेट कप जीता था। गौरतलब है कि इंजीनियर ने अपना अधिकतर क्रिकेट ब्रेबोर्न स्टेडियम में खेला पर वहां उनके नाम पर कोई स्टैंड नहीं है। इंजीनियर ने कुछ साल पहले कहा था, 'वह अविश्वसनीय समय था और ओल्ड ट्रैफर्ड एक शानदार जगह थी। लोग हमें खेलते देखने के लिए मीलों दूर से आते थे। इंजीनियर को अपने सुनहरे दिनों में प्रशंसकों से मिले पत्र भी याद हैं।

अनुभवी खिलाड़ी होने की अपनी जिम्मेदारी निभा रहे जडेजा

मुम्बई। ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने अपने करियर में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है और उनके नाम कई उपलब्धियां भी हैं पर इसके बाद भी उन्हें वह दर्जा नहीं मिला जिसके वे अधिकारी रहे हैं। इंग्लैंड दौर पर वह सबसे अधिक अनुभवी खिलाड़ी है। ऐसे में उन्होंने अपनी भूमिका काफी अच्छे से निभाई है। विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर अश्विन जैसे खिलाड़ियों के दौर में खेलने के बाद भी उन्होंने अपनी एक अलग जगह बनायी थी। वहीं इनके संन्यास लेने के बाद वह टीम के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इंग्लैंड के इस दौरे में हालांकि उनकी गेंदबाजी सफल नहीं रही पर बल्लेबाजी से उन्होंने वह कमी पूरी कर दी। पिछले दिनों जब कप्तानी को लेकर सवाल किये गये तो उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि अब कप्तानी का समय अब चला गया। उन्होंने बर्मिंघम में 89 और 69 रन की अर्धशतकीय पारियों से टीम की जीत अहम योगदान दिया तो वहीं अगले टेस्ट में दो और अर्धशतक जड़े। लॉर्ड्स में वह अकेले ही टीम को लक्ष्य तक ले जाने के प्रयास में लगे रहे। उनका 61 रन का नाबाद स्कोर भारत को जीत के करीब ले गया। वह अभी भी सर्वश्रेष्ठ फील्डर हैं और गेंदबाजी भी उनकी अच्छी रही है हालांकि उन्हें विकेट नहीं मिला। जडेजा टीम के युवा खिलाड़ियों को सलाह देते दिखे हैं। इसी कारण कप्तान शुभमन गिल ने जडेजा को टीम का सबसे समर्पित खिलाड़ी करार दिया। शुभमन ने कहा, ''वह भारत के सबसे मूल्यवान खिलाड़ियों में से एक हैं। गेंदबाजी, बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण में उनके पास जो अनुभव और कौशल हैं, वह बहुत दुर्लभ है। उन्होंने जिस तरह की एकाग्रता दिखाई वह भी आसाधारण रही है।''

सरफराज खान के वजन कम करने पर केविन पीटरसन ने पृथ्वी शॉ को दी नसीहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरफराज खान इन दिनों काफी चर्चा में है, वजह है उनका वजन। दरअसल, टीम इंडिया के युवा बल्लेबाज सरफराज खान ने दो महीने के अंदर 17 किलो वजन कम किया है। जिसकी फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। वहीं केविन पीटरसन ने सरफराज खान की फोटो पृथ्वी शॉ को दिखाने की बात कही है।

दरअसल, सरफराज खान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के बाद से भारतीय टेस्ट टीम से बाहर हो गए हैं। सरफराज को ऑस्ट्रेलिया में खेलने का मौका नहीं मिला था। इसके बाद उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ भी

सीरीज में मौका नहीं मिला। जिसके बाद उन्होंने टीम से बाहर रहकर जमकर पसीना बहाया है। सरफराज ने स्टोरी शेयर करते हुए बताया कि उन्होंने 17 किलो वजन कम किया है। इसके बाद उनकी फिटनेस की चर्चा हर तरफ हो रही है।

इसी दौरान इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी केविन पीटरसन ने सरफराज की इस फोटो को पृथ्वी शॉ को दिखाने के लिए कहा है। बता दें कि, पृथ्वी को खराब फिटनेस के कारण मुंबई की टीम ने ड्रॉप किया था। शॉ का वजन काफी बढ़ गया है।

पीटरसन ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि, शानदार एफर्ट, यंग मैन ! बहुत-बहुत बधाई और मुझे भरोसा है कि ये मैदान पर बेहतर और ज्यादा लगातार प्रदर्शन की ओर से जाएगा। मुझे बहुत अच्छा लगा कि आपने अपनी प्राथमिकताएं फिर से तय कीं। कोई प्लीज ये पृथ्वी शॉ को भी दिखा दे। ये मुमकिन है, मजबूत शरीर, मजबूत दिमाग।

बुमराह ओल्ड ट्रैफर्ड में तोड़ सकते हैं अकरम के दो विश्व रिकार्ड

मैनचेस्टर। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह बुधवार से यहां इंग्लैंड के खिलाफ शुरु हो रहे चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम को जीत दिलाने का प्रयास करेंगे। अब तक उन्होंने इस सीरीज में अच्छी गेंदबाजी की है। उन्होंने पहले और तीसरे टेस्ट में पांच-पांच विकेट लिए थे जबकि दूसरे टेस्ट में वह नहीं खेले थे। वहीं अब मैनचेस्टर में बुमराह के पास इतिहास रचने का अवसर होगा। वह इस मैच में पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम के दो बड़े रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। इंग्लैंड में टेस्ट मैचों में एशियाई गेंदबाज द्वारा सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड अकरम के नाम है। अकरम ने इंग्लैंड में 14 टेस्ट मैचों में 53 विकेट लिए हैं जबकि बुमराह ने 49 विकेट लिए हैं। ऐसे में उन्हें अकरम के इस रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए केवल 5 विकेट ही चाहिये। इंग्लैंड में टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के साथ-साथ बुमराह इस मैच में पूर्व पाक तेज गेंदबाज का एक और रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। बुमराह अगर मैनचेस्टर में 5 विकेट हॉल ले लेते हैं तो वह दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में सबसे ज्यादा 5 विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाज बन जाएंगे। अभी बुमराह और अकरम के नाम 11-11 बार पांच विकेट लेने का रिकार्ड है। अकरम ने 32 मैचों में ये उपलब्धि हासिल की थी जबकि बुमराह ने अब तक 33 मैचों में 11 बार पांच विकेट लिए हैं। अब वह एक बार और पांच विकेट लेते ही अकरम को पीछे छोड़ देंगे। भारतीय टीम इस समय सीरीज में अभी 1-2 से पीछे चल रही है। ऐस में बुमराह इस मैच में जीत दिलाकर टीम को बराबरी पर लाना चाहेंगे।

दिल्ली सरकार का तोहफा, ओलंपिक और पैरालंपिक विजेताओं के नकद पुरस्कार राशि में भारी बढ़ोतरी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी के ओलंपिक और पैरालंपिक पदक विजेताओं के लिए नकद पुरस्कार राशि में बढ़ोतरी की है। यह जानकारी मंगलवार को मंत्री आशीष सूद ने दी। सूद ने मेधावी छात्रों को मुफ्त लैपटॉप प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री डिजिटल योजना को मंजूरी देने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में दिल्ली सचिवालय में हुई कैबिनेट बैठक में यह फैसले लिए गए। सूद ने कहा, 'आज, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें दिल्ली के विकास के साथ छात्रों और युवाओं के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।' उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री खेल प्रोत्साहन योजना के तहत ऐतिहासिक फैसले लिए गए। ओलंपिक और पैरालंपिक पदक विजेताओं को पहले तीन करोड़ रुपए, दो करोड़ रुपए और एक करोड़ रुपए दिए जाते थे लेकिन खेल पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहित करने के लिए अब ओलंपिक तथा पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं को 7 करोड़ रुपए, रजत पदक विजेताओं को 5 करोड़ रुपए और कांस्य पदक विजेताओं को 3 करोड़ रुपए दिए जाएंगे।' सूद ने घोषणा की कि दिल्ली सरकार में स्वर्ण और रजत पदक विजेताओं को ग्रुप ए की नौकरियां दी जाएंगी, जबकि कांस्य पदक विजेताओं को ग्रुप बी की नौकरियां दी जाएंगी। सूद ने यह भी घोषणा की कि मुख्यमंत्री डिजिटल योजना के तहत युवाओं के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए छात्रों को मुफ्त लैपटॉप प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने कहा, 'अच्छे अंकों के साथ दसवीं कक्षा उत्तीर्ण करने वाले 1,200 मेधावी छात्रों को लैपटॉप दिए जाएंगे। इससे वंचित पृष्ठभूमि के छात्रों को लाभ होगा।'

पठान की चौथे टेस्ट से पहले बुमराह को सलाह, अपना सब कुछ झोंक दो या ठीक से आराम करो

मैनचेस्टर (एजेंसी)। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान का तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को संदेश स्पष्ट है कि या तो टीम के लिए अपना सब कुछ झोंक दो या फिर कार्यभार प्रबंधन के तहत चुनिंदा मुकाबलों में खेलने की जगह ठीक से आराम करो। इंग्लैंड के खिलाफ ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथे टेस्ट की पूर्व संध्या पर पठान ने बुमराह के असाधारण गेंदबाजी कौशल की प्रशंसा की लेकिन साथ ही उनसे जरूरत पड़ने पर 'अतिरिक्त प्रयास' करने का भी आग्रह किया।

पठान ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'मैं जसप्रीत बुमराह का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। मुझे उनका कौशल बेहद पसंद है। वह बेहतरीन हैं। हालांकि मेरा मानना है कि जब आप भारत के लिए खेलते हैं तो आपको अपना सब कुछ देना होता है।' उन्होंने कहा, 'जब आप पांच ओवर के स्पैल की बात करते हैं तो जब रूट आते हैं तो आप छठा ओवर नहीं फेंक रहे होते। आपको अपना सब कुछ झोंकना होता है। या तो आप अपना सब कुछ झोंक देते हैं या फिर पूरी तरह आराम करते हैं।'

बाएं हाथ के इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, 'जब बात किसी देश या टीम की आती है, जब आप किसी टीम के लिए खेलते हैं, तो आप उनके लिए खेलते हैं। टीम हमेशा पहले आती है।' पूर्व निर्धारित योजना के तहत बुमराह को दौरे पर पांच में से तीन टेस्ट मैच खेलने हैं लेकिन भारत श्रृंखला में 1-2 से पीछे है और दो मैच और खेलने बाकी हैं।

पठान ने स्पष्ट किया कि वह बुमराह की टीम के प्रति प्रतिबद्धता पर किसी भी तरह से सवाल नहीं उठा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैं यह सवाल नहीं उठा रहा कि उन्होंने प्रयास नहीं किए हैं। उन्होंने ओवर फेंके हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है। हालांकि जब टीम के लिए अतिरिक्त प्रयास करने की बात आती है तो आपको ऐसा करना ही पड़ता है।' पठान ने कहा, 'अगर बुमराह भारत के लिए नियमित रूप से मैच जीतते रहे तो वह लंबे समय तक शीर्ष पर बने रहेंगे। जब टीम को आपकी जरूरत हो तो आपको अतिरिक्त प्रयास करने होते हैं। बेन स्टोक्स ने ऐसा किया और जोफ्रा आर्चर ने चार साल बाद ऐसा किया।'

बुमराह ने श्रृंखला के पहले और तीसरे टेस्ट में हिस्सा लिया और लीड्स तथा लॉर्ड्स दोनों ही मैचों में प्रभावी गेंदबाजी की। पहले मैच की पहली पारी में बुमराह ने 5 विकेट चटकाए लेकिन इंग्लैंड के 371 रन के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करने के दौरान उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट में बुमराह ने एक बार फिर पहली पारी में पांच विकेट चटकाए और फिर दूसरी पारी में दो विकेट लेकर मैच का अंत 112 रन पर सात

विकेट के साथ किया। कुछ दिन पहले पूर्व भारतीय बल्लेबाज दिलीप वेंगसरकर ने भी बुमराह के इस बड़े दौरे के सभी मैचों में नहीं खेलने पर नाराजगी जाहिर की थी।

पूर्व पाक क्रिकेटर बट ने कहा, तो विश्वकप और ओलंपिक में भी हमसे न खेले भारतीय टीम

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व सलामी बल्लेबाज सलमान बट ने पूर्व भारतीय क्रिकेटरों के वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स मुकाबले में नहीं खेलने की आलोचना करते हुए कहा है कि अब उन्हें विश्वकप और ओलंपिक में भी ऐसा ही करना चाहिये। बट ने कहा कि इस प्रकार से वे क्या संदेश देना चाहते हैं। अगर ऐसा ही करना है तो उन्हें हमारे से किसी भी आईसीसी टूर्नामेंट में नहीं खेलना चाहिये। यहां तक की ओलंपिक में भी नहीं। साथ ही कहा कि भारतीय खिलाड़ियों ने ये फैसला चार से पांच खिलाड़ियों के दबाव में किया है। इससे अन्य लोगों पर भी दबाव पड़ा और वे मैच से हट गये। इससे पहले पाक के ही पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी सहित कई खिलाड़ियों ने भी ऐसी ही बातें कहीं थीं। इससे पता चलता है कि भारतीय खिलाड़ियों के नहीं खेलने के कारण लीग रद्द होने से पाक खिलाड़ी कितने बैचेन हैं। सलमान ने जिस प्रकार किसी रिटायर्ड प्लेयर्स की लीग में खेलने की तुलना आईसीसी इवेंट से की है। उससे उनकी और भी फजीयत होना तय है। क्योंकि आईसीसी इवेंट या ओलंपिक से किसी लीग की तुलना नहीं हो सकती है। लीग में खेलना देश का प्रतिनिधित्व करना है पर उस लीग में किया गया प्रदर्शन न तो आईसीसी के आंकड़ों में आता है और न ही उसका कहीं कोई महत्व है। जहां तक मैच रद्द होने की बात है। आयोजकों ने इसके लिए भारतीय खिलाड़ियों को दोषी नहीं मानते हुए कहा है कि खिलाड़ियों के बहिष्कार के बाद उन्हें ये रद्द करना पडा था।

फिल्म की री-रिलीज पर भड़के डायरेक्टर आनंद एल राय

बॉलीवुड की मच टॉक अबाउट रोमांटिक ड्रामा फिल्म रांझणा एक बार फिर सुर्खियों में है। लेकिन इस बार वजह न तो इसकी कहानी है और न ही इसका संगीत, बल्कि इस फिल्म का दोबारा रिलीज होना और उसमें किया गया एक बड़ा बदलाव है। जी हां फिल्म को एक बार फिर से रिलीज किया जा रहा है लेकिन इसे को-प्रोड्यूस करने वाले फिल्ममेकर आनंद एल राय ही इस बात से बिल्कुल भी खुश नहीं हैं।

एआई की मदद से हुआ बदलाव

2013 में आई इस फिल्म ने दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बनाई थी। कुंदन और जोया की कहानी की भले ही हैप्पी एंडिंग ना हुई हो, लेकिन इसी दुखद अंत ने फिल्म को यादगार बना दिया था। अब 12 साल बाद निर्माता कंपनी एरोस ने इस फिल्म को फिर से सिनेमाघरों में उतारने का फैसला लिया है। लेकिन इस बार दर्शकों को एक नया क्लाइमेक्स देखने को मिलेगा, जिसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से तैयार किया गया है।

फिल्म के डायरेक्टर ने जताई नाराजगी

ये घोषणा जैसे ही सामने आई, फिल्म के निर्देशक आनंद एल राय ने नाराजगी जताई और इसे फिल्म के मूल स्वरूप के साथ हत्या जैसा बर्ताव बताया। उनका कहना है कि उन्हें इस बदलाव की जानकारी सोशल मीडिया के जरिए मिली।

कुंदन का अंत ही फिल्म की आत्मा था आनंद एल राय ने द इंडियन एक्सप्रेस के साथ इंटरव्यू में कहा, फिल्म का क्लाइमेक्स ही उसकी पहचान है। कुंदन का बलिदान और उसका दर्द ही दर्शकों को झकझोरता है। अगर उसे बदल दिया जाए, तो पूरी फिल्म का भाव ही बदल जाता है। उन्होंने ये भी सवाल उठाया कि क्या सिर्फ हेप्पी एंडिंद ही दर्शकों को पसंद आती है? त्रासदी भी तो एक भाव है, जो लंबे समय तक असर छोड़ता है। आनंद एल राय ने साफ शब्दों में कहा कि वो अब इस एआई से बदले गए वर्जन से खुद को अलग करना चाहते हैं। उन्होंने प्रोडक्शन कंपनी एरोस इंटरनेशनल से अनुरोध किया है कि उनका नाम इस वर्जन से हटाया जाए, क्योंकि ये उनके मूल विचार और संवेदना के खिलाफ है।

बताया जा रहा है कि एरोस इंटरनेशनल ने फिल्म के इस नए वर्जन के राइट्स तमिलनाडु के एक डिस्ट्रीब्यूटर अपस्विंग एंटरटेनमेंट को बेच दिए हैं। आनंद एल राय का कहना है कि ये फैसला पूरी तरह से व्यापारिक मुनाफे को देखते हुए किया गया है, जिसमें भावनाओं की कोई अहमियत नहीं रखी गई। बता दें इस फिल्म को थिएटर्स में 1 अगस्त को रि-रिलीज किया जाएगा।

कौन हैं सैयारा फेम अनीत पड्डा?

काजोल के साथ भी कर चुकी हैं काम

फिल्म सैयारा के साथ इंडस्ट्री में दो नए चेहरों ने कदम रखा है- अहान पांडे और अनीत पड्डा। दोनों का डेब्यू इस वक्त काफी सुर्खियां बटोर रहा है। ऐसे में लोग जानना चाहते हैं कि आखिर ये दोनों हैं कौन? अहान पांडे तो अनन्या पांडे के कजन हैं यानी चंकी पांडे के भतीजे। लेकिन अनीत पड्डा के बारे में अगर आप अब तक नहीं जान पाए हैं, तो चलिए आपको बताते हैं।

कौन हैं अनीत पड्डा?

अनीत पड्डा का जन्म 14 अक्टूबर 2002 को पंजाब में हुआ था। वो एक छोटे शहर से आती हैं। अमृतसर के स्प्रिंग डेल सीनियर स्कूल से अपनी स्कूली पढ़ाई पूरी करने के बाद अनीत ने दिल्ली विश्वविद्यालय से पॉलिटिकल साइंस में डिग्री हासिल की। हालांकि, उनका जुनून हमेशा अभिनय की तरफ ही था और उन्होंने मॉडलिंग के जरिए अपने करियर की शुरुआत की।

सैयारा से मेन लीड के तौर पर डेब्यू

मोहित सूरी के निर्देशन में बनी फिल्म सैयारा अनीत पड्डा की बॉलीवुड में पहली बड़ी फिल्म है, जिसमें वो मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में उनकी परफॉर्मेंस को अब तक पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है। यह फिल्म एक रोमांटिक ड्रामा है, जिसे यशराज फिल्म्स के बैनर तले शूट किया गया है। फिल्म की रिलीज से पहले ही अनीत और अहान की जोड़ी को लेकर बहुत उत्सुकता थी और अब जब फिल्म रिलीज हो गई है तो देखना होगा कि बॉक्स ऑफिस पर सफल रहती है या नहीं।

अनीत पड्डा का फिल्मी करियर

अनीत ने 2022 में काजोल और विशाल जेठवा के साथ फिल्म सलाम वेंकी में अपनी शुरुआत की थी, जहां उन्होंने नंदिनी का किरदार निभाया था। इसके बाद उन्होंने नित्या मेहरा की वेब सीरीज बिग गर्ल्स डोंट क्राई में भी काम किया, जहां उनका किरदार रूही आहूजा था। इन दोनों ही प्रोजेक्ट्स में अनीत का रोल तो ज्यादा नहीं था लेकिन उन्होंने अपना प्रभाव जरूर छोड़ दिया था। सैयारा के चर्चाओं में आने से पहले तक अनीत के इंस्टाग्राम पर करीब 37 हजार फॉलोअर्स थे। लेकिन अब जब फिल्म रिलीज हो गई है और दोनों ही कलाकारों को दर्शकों का प्यार भी मिल रहा है तो उनके वर्तमान में करीब 2.5 लाख फॉलोअर्स हैं। अनीत अक्सर अपने शूट और फिल्मों से जुड़े पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। उनके कई बोल्ड और ग्लैमरस फोटोज भी अब तक सोशल मीडिया पर पसंद किए जा चुके हैं।

गाना भी गाती हैं अनीत पड्डा

अनीत पड्डा की रुचि सिर्फ अभिनय तक ही सीमित नहीं है। उन्हें संगीत का भी काफी शौक है और वो कई बार गाते हुए भी नजर आई हैं। इसके अलावा, अनीत ने कई प्रमुख ब्रांड्स के साथ विज्ञापनों में भी काम किया है।

पापा जैकी श्रॉफ के और करीब ले जाएगा छोरियां चली गांव शो

कृष्णा श्रॉफ जल्द ही एक रिएलिटी शो छोरियां चली गांव से टीवी पर डेब्यू करने जा रही हैं। उन्हें उम्मीद है कि यह शो उन्हें उनके पिता और अनुभवी अभिनेता जैकी श्रॉफ के उन अनुभवों के करीब लाएगा, जिन्हें उन्होंने गांव में भी जिया है। बातचीत में कृष्णा श्रॉफ ने बताया कि उनके पिता जैकी श्रॉफ उनके रिएलिटी शो छोरियां चली गांव में हिस्सा लेने को लेकर सबसे ज्यादा खुश हैं।

जब कृष्णा से पूछा गया कि उस पर उनके पिता की प्रतिक्रिया कैसी थी, तो उन्होंने कहा, वो तो सबसे ज्यादा एक्साइटेड हैं। उन्हें सादगी से भरा जीवन बहुत पसंद है। इसलिए जब उन्हें पता चला कि मैं ऐसे रिएलिटी शो में जा रही हूं, जिसमें गांव की जिंदगी दिखेगी, तो वे बहुत खुश हुए। मुझे लगता है कि इस शो के बाद मैं उनके जीवन के उस नजरिए को और अच्छी तरह समझ पाऊंगी। कृष्णा श्रॉफ ने बताया, मेरा भाई टाइगर श्रॉफ बार-बार मुझसे पूछते हैं, क्या तुम वाकई ये करना चाहती हो? क्योंकि वह जानते हैं कि मैं किस तरह की लाइफस्टाइल जीती हूं। लेकिन मेरा मानना है कि मैं अपने भाई को इस शो से चौंका दूंगी। शो में मेरा परफॉर्मेंस देखने के बाद उन्हें मुझ पर गर्व महसूस होगा। कृष्णा श्रॉफ ने बताया कि उन्हें छोरियां चली गांव शो करने की सबसे बड़ी वजह यह है कि इसमें बहुत कुछ सीखने का मौका है। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि मैं इस अनुभव को पूरी तरह अपनाने जा रही हूं। यहां मैं ऐसी जरूरी बातें और जिंदगी के हुनर सीखूंगी, जिनका इस्तेमाल मैं अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में कर सकूं। उन्होंने आगे कहा है कि उन्हें गांव के लोगों से ही नहीं, बल्कि शो की बाकी लड़कियों से भी बहुत कुछ सीखने का मौका मिलेगा। ये सभी महिलाएं मजबूत और आत्मनिर्भर हैं, और उनकी जिंदगी से सीखने के लिए बहुत कुछ है। कृष्णा श्रॉफ ने बताया कि इस शो में सबसे मुश्किल काम उनके लिए खाना बनाना होगा। उन्होंने कहा, खाना बनाना मेरे लिए एकदम नया है, मैंने कभी ऐसा किया नहीं है। जब शहर की लड़कियां ऐसे काम करने की कोशिश करेंगी जो उन्होंने कभी नहीं किए, यही चीज शो को मजेदार बनाएगी। मैं चाहती हूं कि लोग इसे देखकर हंसे और साथ ही कुछ सीखें भी। मुझे भरोसा है कि इस शो से सभी को कुछ न कुछ सीखने को जरूर मिलेगा। नया रियलिटी शो छोरियां चली गांव जी टीवी पर जल्द ही आने वाला है। इसमें 11 शहरी लड़कियां गांव की जिंदगी जीकर अलग तरह का अनुभव करेंगी। इस शो को रोडीज फेम रणविजय सिंघा होस्ट करेंगे।

सोनाक्षी को मिली करियर की दूसरी सबसे खराब ओपनिंग

निकिता रॉय का निर्देशन एक्टर शत्रुघ्न सिन्हा के बेटे और सोनाक्षी सिन्हा के भाई कुश एस सिन्हा ने किया है। यह बतौर निर्देशक कुश की पहली निर्देशित फिल्म है। 18 जुलाई को फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। सोनाक्षी सिन्हा के अभिनय और कुश एस सिन्हा के निर्देशन में बनी फिल्म निकिता रॉय का पहले दिन का कलेक्शन सामने आ चुका है। पहले दिन आज शुक्रवार को फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर महज 23 लाख रुपये की कमाई की है। फिल्म के पहले दिन के कलेक्शन के हिसाब से लग रहा है कि यह फिल्म दर्शकों को कुछ खास रास नहीं आई। पहले दिन 23 लाख रुपए की कमाई करने के साथ ही 'निकिता रॉय' सोनाक्षी के करियर की दूसरी सबसे खराब ओपनिंग करने वाली फिल्म बन गई है। इससे भी कम ओपनिंग 'डबल एक्स एल' को मिली थी, जिसने अपने पहले दिन सिर्फ 15 लाख रुपए की ही कमाई की थी।

गाने पुराने नहीं होते बल्कि दिल में बस जाते हैं

लोकप्रिय टेलीविजन अभिनेत्री रुपाली गांगुली अक्सर सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करती रहती हैं। उन्होंने गुरुवार को एक लेटेस्ट वीडियो शेयर किया, जिसमें वह एक गाने पर डांस करती नजर आईं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह तड़पाओगे तड़पा लो गाने पर डांस कर रही हैं। वीडियो में रुपाली ने लाल रंग की साड़ी पहनी हुई है। गाने के बोल के साथ शानदार एक्सप्रेशन देते हुए वह डांस करती नजर आ रही हैं। उन्होंने वीडियो शेयर कर कैप्शन में लिखा, गाने पुराने नहीं होते, बल्कि दिल में बस जाते हैं। फैंस को उनका ये खास अंदाज काफी पसंद आ रहा है। रुपाली के फैंस कमेंट सेक्शन पर उन्हें हार्ट, फायर, और स्माइली इमोजी शेयर कर रहे हैं। बता दें, यह गाना कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है, जिसको फॉलो करते हुए अभिनेत्री सपना चौधरी और भोजपुरी अभिनेत्री रानी चटर्जी ने भी वीडियो बनाई थी और लाखों व्यूज पाए थे। तड़पोगे तड़पा लो गाना साल 1957 में रिलीज हुई फिल्म बरखा का है। इस गाने को स्वर कोकिला लता मंगेशकर ने गाया है। वहीं गाने के बोल राजिंदर कृष्ण के हैं। यह तमिल फिल्म थाई पिरांधल वाझी पिराक्कुम का रीमेक थी। गाने का संगीत काफी मधुर है, जिसे चित्रगुप्त ने तैयार किया था। गाने की तरह फिल्म को भी लोगों ने काफी पसंद किया था। इसमें नंदा, जगदीप, शुभा खोटे, आनंद कुमार, डेविड अब्राहम, अचला सचदेव, लीला चिटनिस और मोहन चोटी जैसे कलाकारों ने अहम भूमिका निभाई थी। इस फिल्म के निर्देशक आर. कृष्णन और एस. पंजू थे। वहीं इसे एवीएम प्रोडक्शन कंपनी के बैनर तले रिलीज किया गया था।

आज दर्शक टीवी, सिनेमा और ओटीटी पर बंट गए हैं

शब्बीर आहलूवालिया आजकल अपने नए शो को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने बताया कि सेट पर उनकी और आशी सिंह की केमिस्ट्री बहुत अच्छी है। वे एक अच्छे रिश्ते के लिए सकारात्मक सोच को ज़रूरी मानते हैं। शब्बीर पुराने शोज के रीमेक में भी काम करना चाहते हैं। कसौटी जिंदगी की और कुमकुम भाग्य में अपनी ऐक्टिंग से घर-घर में पॉप्युलर होने वाले शब्बीर आहलूवालिया इन दिनों अपने शो 'उफफ्ज ये लव है मुश्किल' को लेकर चर्चा में है।

आपके नए शो में दर्शकों को कमाल की केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। सेट पर आपकी और कलाकार आशी सिंह (लीड ऐक्ट्रेस) की कैमिस्ट्री कैसी रहती है?

शब्बीर ने कहा, वहां हमारी केमिस्ट्री कमाल की होती है। हम हंसते-खेलते काम करते हैं। जब शूट शुरू होता है, तब हम युग और कैरी बनकर थोड़ा बहुत झगड़ लेते हैं लेकिन उसके बाद वापस मस्ती शुरू हो जाती है। मुझे लगता है कि अगर आपकी ऑफ स्क्रीन केमिस्ट्री अच्छी है तो वह ऑन स्क्रीन दिखती है और ज्यादा दिक्कत नहीं होती। क्योंकि आप एक ही ट्यून के साथ चल रहे हो कि स्क्रीन का यह मुद्दा है और ऐसे निकलकर आना चाहिए। कई बार हम डिस्कस भी नहीं करते और वह निकलकर आ जाता है। सेट की दोस्ती स्क्रीन पर बहुत मदद करती है।

आप क्या मानते हैं कि एक अच्छे रिलेशनशिप में क्या जरूरी है?

मैं यह मानता हूं कि एक अच्छे रिलेशनशिप के लिए एक पॉजिटिव माइंडसेट बहुत जरूरी है। जब आप एक रिलेशनशिप में नेगेटिव माइंडसेट के साथ जाओगे तो फिर सत्यानाश है। मेरा यह मानना है कि जोड़ी कैसी भी बन सकती है, चाहे वह एक जैसी सोच रखने वाली हो या फिर अलग रखने वाली। कपल के बीच में दोस्ती होना बहुत जरूरी है क्योंकि प्यार में ऊपर-नीचे होता रहता है, लेकिन दोस्ती है जो दोनों के बीच मायने रखती है, खास तौर पर आज के समय में। लेकिन एक-दूसरे से ज्यादा उम्मीदें नहीं होनी चाहिए। जब आप ज्यादा की उम्मीद करने लगते हो तो फिर चीज़ें अच्छी नहीं होती हैं। क्योंकि आप कुछ उम्मीद करते हो, वह आपको मिलता नहीं है। तो बहुत जरूरी है कि आप अपनी ज़िंदगी जिएं और अपने पार्टनर को उनकी ज़िंदगी उनके तरीके से जीने दें। यही तो लाइफ़ है।

स्क्रीन पर नए प्रयोग करने में डर होता है कि दर्शक कैसी प्रतिक्रिया देंगे। लेकिन आपको कॉन्फिडेंस था कि यह प्रयोग काम करेगा। तो क्या आपके दो दशक लंबे करियर की वजह से आपमें यह कॉन्फिडेंस आया?

मेरे ख्याल से अनुभव भी जरूरी है, साथ ही युवाओं का उत्साह भी जरूरी है। अनुभव प्रोजेक्ट चुनने में मदद करते हैं लेकिन नई पीढ़ी जैसे आशी हैं, वह उमंग ज़िंदा रखते हैं। जब अनुभव और उत्साह मिल जाते हैं तो प्रोडक्ट अच्छा ही निकलता है।

क्या आपको लगता है कि ओटीटी नया टीवी बनने की ओर है?

शब्बीर बोले, मेरे ख्याल से यह 8-10 साल से चल रहा है कि ओटीटी से टीवी पर प्रभाव पड़ेगा। न सिर्फ ओटीटी, बल्कि लोग अपना समय अलग-अलग जगह पर दे रहे हैं चाहे वह यूट्यूब हो या फिर रील्स में। मुझे लगता है कि सभी को धक्का लगा है क्योंकि आपकी व्यूअरशिप बंट चुकी है। मुझे नहीं लगता कि एक माध्यम दूसरे की जगह लेगा। यह निर्भर करता है कि आप किस तरह का कॉन्टेंट बना रहे हैं और उसे कैसे प्रस्तुत कर रहे हैं।

आप इतने लंबे समय से इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं, तो आप किसी ऐसे शो का हिस्सा बनना चाहते हैं जो पुराने शो का रीमेक हो या पार्ट 2 हो?

जी, मुझे लगता है कि सर्कस दोबारा बने, लेकिन वह सर्कस बैकग्राउंड में न हो कर अलग सेटिंग में बने तो आज के समय में अच्छा करेगा। एक और शो ज़बान संभाल के भी अच्छा था। उस शो में आप पूरे हिंदुस्तान को एक ही क्लास में देख सकते हो। उससे बढ़िया क्या हो सकता है।

आप इस शो में एक एडवोकेट के रोल में हैं। तो क्या तैयारियां करनी पड़ीं?

शब्बीर अहलूवालिया ने कहा, एडवोकेट किस तरह चलता है और बात करता है, हम उसपर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। लॉ की डिग्री हासिल करने में तो चार साल लग जाते हैं, तो हम दो-तीन महीने की तैयारियों में क्या ही कर लेंगे? उसकी जगह हम सीन की जरूरत के हिसाब से एक केस को स्टडी कर लेते हैं। हम कोशिश करते हैं कि यह सब नैचुरल और रियलिस्टिक रहे। जो लोग यह शो देखेंगे, वे जानेंगे कि हम लोग इस शो को रियल दिखाने की कोशिश कर रहे हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।